श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 22 वर्ष, अंक 186, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 4 अगस्त 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

ज्ञानवापी परिसर में सर्वे को मंजूरी

हाईकोर्ट में मुस्लिम पक्ष की अर्जी खारिज, हाई कोर्ट ने सर्वे को जल्द शुरू करने को कहा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गुरुवार को ज्ञानवापी मामले की सुनवाई करते हुए मुस्लिम पक्ष की अर्जी खारिज कर दी है। हाई कोर्ट ने कहा है कि ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वे पर रोक नहीं होगी। हाई कोर्ट ने सर्वे को जल्द शुरू करने को कहा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि वाराणसी जिला कोर्ट का फैसला बरकरार रहेगा। सर्वे से ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। खुदाई करनी होगी तो कोर्ट से इजाजत लेंगे। वहीं, मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है। मस्जिद कमेटी हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा। हिन्दू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि हाई कोर्ट के फैसले के बाद जिला कोर्ट का फैसला प्रभावी हो चुका है। सर्वे के समय पर कहा कि हाई कोर्ट ने सर्वे के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की है। आज से ही जिला कोर्ट का फैसला प्रभावी हो गया है। उल्लेखनीय है कि जिला कोर्ट ने एएसआई से ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराने का आदेश दिया था। उसी के आधार पर सर्वे शुरू किया गया था।

ज्ञानवापी मसले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मुस्लिम पक्षः अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। शीर्ष कोर्ट में दाखिल याचिका में एएसआई को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने की अनुमति देने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। मस्जिद कमेटी के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में मामले का जिक्र करते हुए कहा कि एएसआई को सर्वे की इजाजत न दी जाए।

ज्ञानवापी परिसर के आस-पास बढ़ी पुलिस की चौकसी

वाराणसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के गुरुवार को ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे की इजाजत दिए जाने के फैसले के बाद पुलिस ने विवादित परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी है। हाईकोर्ट ने प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायालय के फैसले के बाद यहां ज्ञानवापी क्रासिंग और आसपास की गलियों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अफसर सतर्क हैं। उच्च न्यायालय के निर्णय के पहले से ही पुलिस फोर्स सड़क पर उतर आई। दशाश्वमेध थाना प्रभारी फोर्स के साथ गश्त कर रहे हैं। उच्च न्यायालय के फैसले

के बाद वाराणसी जिलाधिकारी एस. राजलिंगम का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन होगा। हम एएसआई टीम का पूरा सहयोग करेंगे।

ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की कैविएट

नई दिल्लीः ज्ञानवापी मामले को लेकर निचली अदालत में मुख्य याचिकाकर्ता राखी सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की है। कैविएट याचिका में कहा गया है कि अगर मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देता है तो सुप्रीम कोर्ट बिना उनका पक्ष सुने कोई आदेश पारित ना करे। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आज ज्ञानवापी के सर्वे की अनुमति देने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर मुहर लगा दी है। उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर का सर्वे करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी को 26 जुलाई तक ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती देने का आदेश दिया था।

संसद को इससे जुड़ा कोई भी कानून बनाने का अधिकार', लोकसभा में अमित शाह

'दिल्ली पूर्ण राज्य नहींः अमित शाह

नई दिल्लीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ह्यराष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक पर लोकसभा में विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इस बिल को संसद में लाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किसी तरह से उल्लंघन नहीं किया गया है। संविधान के तहत संसद को दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र से संबंधित किसी भी विषय पर कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है।

इससे पहले अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक, 2023 को चर्चा और पास कराने के लिए निचले सदन रखा। उन्होंने कहा कि दिल्ली न तो पूर्ण राज्य है, न ही पूर्ण संघ शासित प्रदेश है। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते संविधान के अनुच्छेद 239 (ए) (ए) में इसके लिए एक विशेष प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 239 (ए) (ए) के तहत इस संसद को दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र या इससे संबंधित किसी भी विषय पर कानून बनाने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

बंगले और भ्रष्टाचार का सच छिपाना 'आप' मकसदः शाह

उन्होंने कहा कि 1993 के बाद दिल्ली में कभी कांग्रेस और कभी भाजपा की सरकार आई। दोनों में से किसी दल ने दूसरे के साथ झगड़ा नहीं किया, लेकिन 2015 में ऐसी सरकार आई, जिसका मकसद सेवा करना नहीं, झगड़ा करना है। उन्होंने कहा कि इनका मकसद कानून व्यवस्था और स्थानांतरण पर नियंत्रण नहीं, बल्कि विजिलेंस को नियंत्रण में लेकर बंगले और भ्रष्टाचार का सच छिपाना है। दिल्ली की सोचिए, गठबंधन की नहींः अमित शाह ने कहा कि मेरी विनती है कि चुनाव जीतने के लिए, किसी का समर्थन हासिल करने के लिए, किसी विधेयक का समर्थन या विरोध करने की राजनीति नहीं करनी चाहिए।

विपक्ष को दिया जवाबः अमित शाह ने कहा कि कुछ सदस्यों ने कहा कि इस विधेयक को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन करके लाया गया है, लेकिन वह उन सदस्यों से कहना चाहते हैं कि कोर्ट के फैसले के मनपसंद हिस्से की बजाए पूरा संदर्भ दिया जाना चाहिए।

गार्डर रखने के दौरान क्रेन टूटी, एक की मौत

वडोदरा। वडोदरा के करजण के समीप एक्सप्रेस हाइवे पर गार्डर रखने के दौरान एक क्रेन टूट कर गिरने से सात श्रमिक दब गए।

इनमें से एक की मौत हो गई है, जबकि छह श्रमिकों को घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मणिपुर में फिर बवाल, पुलिस से झड़प

इंफालः मणिपुर में बिष्णुपुर जिले के कांगवई और फोउगाकचाओ इलाके में झड़पों के बाद सेना तथा त्वरित कार्रवाई बल (आरपीएफ) ने गुरुवार को आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें 17 लोग घायल हो गए। इंफाल में एहतियात के तौर फिर से कर्फ्यू लगा दिया गया है। सअधिकारियों ने बताया कि इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम के जिला मजिस्ट्रेट ने कर्फ्यू में दी गई ढील को वापस ले लिया है। एहतियात के तौर पर आज पाबंदियां लागू की है। इंफाल घाटी में रात्रिकालीन कर्फ्यू पहले ही लागू है।

यथास्थिति बनाए रखने का आदेशः झड़पों से कुछ घंटे पहले, मणिपुर के हाईकोर्ट ने चुराचांदपुर जिले के हाओलाई खोपी गांव में उस प्रस्तावित स्थल को लेकर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था, जहां कुकी जो समुदाय के लोगों ने जातीय संघर्ष में मारे गए 35 लोगों के शवों को दफनाने की योजना बनाई थी।

कर्फ्यू

बिष्णुपुर में झड़पों के बाद पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, 17 लोग घायल; घाटी में फिर लगा कर्फ्यू

'सीबीआई ने 2018 से अब तक 216 सिविल सेवकों पर मामले किए दर्ज'

नई दिल्लीः भारतीय सिविल सेवा को भारत सरकार और देश की प्रशासनिक मशीनरी की रीढ़ माना जाता है। सरकार में नाम तो नेताओं का होता है लेकिन योजनाओं के पीछे एक प्रशासनिकअधिकारी ही होता है। वहीं इन सिविल सेवकों पर कार्रवाई से जुड़े आंकड़े सरकार ने संसद में पेश किए। सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा को सूचित किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच साल से अधिक समय में 216 सिविल सेवकों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

खनन के नये ब्लॉकों को चिह्नित करके बढ़ाया जाए खनिज उत्पादनः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी ने की भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा, दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभाग के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनजीटी के आदेशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नदियों का समय पर ड्रेजिंग कराने का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। इससे बाढ़ की समस्या का समाधान होने के साथ ही नदियों को चैनलाइज करने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ने खनन और सिंचाई विभाग को मिलकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में खनन के नये ब्लॉकों को चिह्नित करते हुए खनिज उत्पादन बढ़ाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि प्रदेश में ईंट उत्पादन के लिए उपजाऊ भूमि से मिट्टी निकालने की जगह वैकल्पिक स्त्रोतों का इस्तेमाल किया जाए। ईंट-भट्ठों को उसके लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने एम सैंड को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए और कहा कि

इससे नदी तंत्र की परिस्थितिकी को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान प्रदेश में खनन पट्टों को बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय एनओसी को शीघ्र प्रदान करने के लिए विभाग गंभीर प्रयास करे। उन्होंने अवैध खनन पर हर हाल में अंकुश लगाने और इंटीग्रेटेड माइनिंग सर्विलांस सिस्टम को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न सीमावर्ती जिलों में कार्यरत 39 चेकगेट्स पर तकनीकी का उपयोग करते हुए बालू, मोरम, बोल्डर सहित अन्य खनिजों की माल ढुलाई के दौरान विशेष निगरानी बरती जाए। ओवरलोडिंग को हर हाल में रोका जाए।

बिहार में जातिगत जनगणना के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्लीः बिहार में जातिगत जनगणना कराने के नीतीश सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। मंगलवार को ही पटना हाईकोर्ट ने जातिगत जनगणना की मंजूरी दी थी। इसी के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है। गौरतलब है कि पटना हाईकोर्ट ने बिहार में जाति सर्वेक्षण पर चार मई को अस्थायी रोक लगा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने कहा था कि जाति-आधारित डेटा का संग्रह संविधान के अनुच्छेद 15 और 16

के तहत एक संवैधानिक आदेश है। इसके बाद हाईकोर्ट ने एक अगस्त को बिहार सरकार द्वारा कराए जा रहे जाति सर्वेक्षण को वैध और कानूनी ठहराया। अदालत ने उन याचिकाओं को भी खारिज कर दिया जो जून 2022 में राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए ।

मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना से होगा वन क्षेत्र का विस्तार

शिमला। पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना शुरू की है। प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा हाल ही में स्वीकृत इस योजना का लक्ष्य राज्य में वन क्षेत्र का विस्तार करना है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र और सामाजिक-आर्थिक जनजीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस महत्त्वाकांक्षी योजना के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपने नैसर्गिक सौंदर्य और जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंध चाहते हैं लेकिन...'; आतंक और शत्रुता से मुक्त वातावरण जरूरी

'पाक आतंकी घटनाओं पर रोक लगाएं'

नई दिल्लीः आर्थिक बदहाली झेल रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शीफ ने बुधवार को भारत के साथ वार्ता को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि वे भारत के साथ सभी लंबित मुद्दों पर वार्ता करना चाहते हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा था कि युद्ध कोई विकल्प नहीं है। वहीं, अब भारत ने उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस मुद्दे पर रुख साफ करते हुए कहा कि हमने रिपोर्टें देखी हैं। भारत का रुख इस बात पर कायम है कि हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं...लेकिन इसके लिए है। दैनिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बच्ची अरिहा शाह के मामले और हरियाणा में हुई घटना को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणी के साथ ही राजस्थान की अंजू के पाकिस्तान जाने और पाकिस्तान की सीमा हैदर के भारत आने के मामले में भी प्रतिक्रिया दी है।

ब्रिक्स पर भारत का रुख किया साफः इस दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ब्रिक्स पर भारत की स्थिति भी साफ की।

उन्होंने कहा कि हमने पहले भी अपनी स्थिति स्पष्ट की है। ब्रिक्स सदस्य आंतरिक रूप से ब्रिक्स विस्तार के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं पर चर्चा कर रहे हैं। यह बिल्कुल सच नहीं है कि भारत को विस्तार को लेकर कुछ आपत्तियां हैं।

बच्ची अरिहा शाह के मामले पर कही यह बातः विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बच्ची अरिहा शाह के मामले पर भी जानकारी दी।

सभी भाषाएं और बोलियां मेरी अपनी, साहित्य और कला ने मानवता को बचाए रखाः द्रौपदी मुर्मू

140 करोड़ देशवासियों का मेरा परिवार हैः राष्ट्रपति

भोपाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारी परंपरा में यत्र विश्वम् भवति एक नीडम् की भावना प्राचीनकाल से है। राष्ट्रप्रेम और विश्व बंधुत्व के आदर्श का संगम हमारे देश में दिखाई देता रहता है। साहित्य और कला ने मानवता को बचाए रखा है। साहित्य जुड़ता भी है और लोगों को जोड़ता भी है। अन्य भाषाओं का अनुवाद होने से भारतीय भाषा और समृद्धशाली होगी। आज 140 करोड़ देशवासियों का मेरा परिवार है और सभी भाषाएं और बोलियां मेरी अपनी हैं। हमारा सामूहिक प्रयास अपनी संस्कृति, लोकाचार, रीति-रिवाज और प्राकृतिक परिवेश को सुरक्षित रखने का होना चाहिए। हमारे जनजाती समुदाय के भाई-बहन और युवा

आधुनिक विकास में भागीदार बनें। राष्ट्रपति मुर्मू गुरुवार को भोपाल प्रवास के दौरान यहां रवीन्द्र भवन में आयोजित एशिया के सबसे बड़े भारत की लोक एवं जनजातीय अभिव्यक्तियों के राष्ट्रीय उत्सव "उत्कर्ष" और "उन्मेष" को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत अन्य अतिथि मौजूद रहे।

द्रौपदी मुर्मू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद मेरी सबसे ज्यादा यात्राएं मध्य प्रदेश में हुई हैं। यह मेरी मध्य प्रदेश में पांचवीं यात्रा है, आप सभी से मिले इस प्यार के लिए धन्यवाद। उन्मेष का अर्थ आंखों का खुलना भी होता है और फूलों का खुलना भी। साहित्य मानवता का आइना दिखाता है। उन्होंने कवि रवीन्द्र नाथ टैगोर और महाकवि बाल्मीकि को याद किया।

चित्रकूट, झांसी के औद्योगिक विकास में जुटी योगी

यूपीडा ने झांसी में 383.01 और चित्रकूट में 160.62 एकड़ के भूखंडों को लैंड बैंक के रूप में किया प्रदर्शित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार विशेष रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक विकास का नया अध्याय लिखने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में झांसी व चित्रकूट नोड को विशेष तौर पर लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन दोनों नोड्स की इंडस्ट्रियल प्लॉटिंग्स का विवरण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की ओर से नए सिरे से जारी किया गया है। यह मुख्यतः इन नोड्स के इंडस्ट्रियल लैंड बैंक में उपलब्ध इंडस्ट्रियल प्लॉटिंग का लघु विवरण है जिसमें इनके क्षेत्रफल, अनुमानित वर्तमान कीमत समेत कई विवरण उपलब्ध कराए गए हैं।

प्रति स्क्वायर मीटर की दर से इंडस्ट्रियल प्लॉट के रेट तयः राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि यूपीडा का प्रयास झांसी-चित्रकूट नोड में इंडस्ट्रियल लैंड बैंक के अधीन सूचीबद्ध इंडस्ट्रियल प्लाटों को नीलामी के लिए नए सिरे से निवेशकों और उद्योगकताओं के समक्ष प्रस्तुत करने का है। मौजूदा लिस्टिंग के अंतर्गत चित्रकूट नोड में 433.57 रुपये प्रति स्क्वायर मीटर की दर वाले कुल 38 प्लॉट और झांसी में 362.28 रुपये प्रति स्क्वायर की दर पर 45 इंडस्ट्रियल प्लॉट की लिस्टिंग की गई है। इस तरह चित्रकूट में 160.62 व झांसी में 383.01 एकड़ जमीन फिलहाल यूपीडा द्वारा शोकेस की जा रही है। इन नोड्स पर यूपीडा ने भू-आवंटन के लिए इच्छुक निवेशकों और उद्यमियों से निवेश मित्र पोर्टल के जरिए आवेदन मांगे हैं।

डी-नोटिफाई क्षेत्रों की लिस्टिंग्स भी जारीः यूपीडा द्वारा हाल ही में ग्रेटर नोएडा से बलिया के बीच प्रस्तावित 08 लेन प्रवेश नियंत्रित एक्सप्रेस-वे परियोजना को लेकर भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया था।

गांव के विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं : योगेश शुक्ल

अखिल भारतीय प्रधान संगठन द्वारा मेजा ब्लॉक के सभागार में पंचायत चौपाल आयोजित

अखंड भारत संदेश

मेजा। गांवों के बुनियादी विकास में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और पंचायतों के विकास के लिए प्रधानों को सपने देखना चाहिए।पीएम मोदी के सपनों की बदौलत आज भारत चंद्रयान -3 लांच करने में सफल रहा। गांव के विकास के बिना देश के विकास का सपना देखना संभव नहीं है।उक्त उद्गार भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ल ने गुरुवार को मेजा ब्लॉक के सभागार में अखिल भारतीय प्रधान संगठन द्वारा आयोजित पंचायत चौपाल में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से एक बच्चे को चलने के लिए दूसरे के अंगुली की जरूरत होती है वैसे ही देश के विकास के लिए गांव का विकसित होना जरूरी है।इसके लिए ग्राम प्रधान ही एक विकल्प है। उन्होंने कहा कि निसंदेह पंचायतों की भूमिका अब इतनी सीमित नहीं है उन्हें जरूरी अधिकार और धन दोनों ही चीजें मिल रही हैं जिसका असर अब जमीनी स्तर पर दिखता है। भारत की आत्मा गांवों में है।उन्होंने प्रधानों को समझते हुए कहा कि गांधी जी ने भी गांवों के विकास के लिए सपना देखा था।वही सपना मोदी देख रहे हैं और जब प्रधान गांव के विकास के लिए सपने देखेंगे तो निश्चित रूप से गांव विकसित होगा।भारत को गांवों का देश कहा जाता है जहां आज भी 70 प्रतिशत आबादी निवास करती है।गांव सामाजिक अभियानों में पंचायतों की भागीदारी- स्वच्छ भारत अभियान का असर देशव्यापी पूरी दुनिया ने देखा। उन्होंने कहा कि 60 प्रतिशत भारतीय 2 वर्ष पूर्व तक खुले मे शौच कर रहा था किए लेकिन पंचायतों ने विभिन्न जन-जागृति अभियानों के माध्यम से गांवों में उल्लेखनीय कार्य किया है। इसी का नतीजा है कि आज घर-घर शौचालय है। स्वच्छ ईंधन की दिशा में हम बहुत अपनी आगे तक आ चुके हैं। निसंदेह इसके लिए पंचायते न्यायवाद का पात्र हैं। आज शिक्षा का अधिकार कानून के तहत हर गांव में स्कूलों अनेक का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है। उसमें भी पंचायतों की खरेख बड़ी भूमिका है जिसकी देखरेख में ये योजनाएं फलफूल रही हैं। मनरेगा के तहत पंचायतों को ना केवल ग्रामीणों को सौ दिन रोजगार देने का अधिकार प्राप्त हुआ बल्कि इसके माध्यम गांव का विकास हुआ है। श्री शुक्ला ने गांव के विकास के लिए प्रधानों को अपने नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया।कहा कि परमात्मा ने आपको सेवा करने का अवसर दिया है।सभी प्रधान अपने कर्तव्य की चिंता करें,कोई भूखा न मरे।उनका मानना है कि आने वाले समय में सभी ग्राम पंचायतें विकसित होंगी।श्री शुक्ल ने कहा कि सभी प्रधान जिम्मेदारी पूर्वक अपना कर्तव्य करें।आपकी नैतिक ताकत कमजोर नहीं होने देंगे।विशिष्ट अतिथि प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने कहा कि प्रधानों को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा तभी गांव का सर्वांगीण विकास होगा।उन्होंने कहा कि मनरेगा ऐसी योजना है कि अपने गांव का विकास कर सकते हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी ने कहा कि प्रधान पंचायती राज से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वयन कर गांव के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं,लेकिन सरकार भी प्रधानों के कर्तव्य को देखते हुए उन्हें मिलने वाली सुविधाओं पर भी विचार करना होगा।इससे पूर्व अखिल भारतीय प्रधान संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि योगेश शुक्ल व विशिष्ट अतिथि गंगा प्रसाद मिश्र का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष शरणजीत भुर्तिया और संचालन संगठन के जिला उपाध्यक्ष अनिल शुक्ला ने किया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी, अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष काजी मुअज्जम पप्पू, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रधान नीलम पथिक, रामजी यादव, पुष्पराज सिंह,अखिलेश सिंह, मुलायम सिंह, अरशद अली, मुरारी यादव, राकेश यादव, रामधारी बिंद, ऊषा देवी पटेल व सिरहिर की प्रधान सुषमा देवी मौजूद रहीं।

दुकानदार से लूट के मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मऊआइमा। सोमवार को मध्य रात्रि तीन बाइक सवार बदमाशों ने दुकानदार को तमंचा लगा कर पांच हजार रुपये और मोबाइल लूट कर बाइक से भागे बदमाशों को मऊआइमा पुलिस ने दो बदमाशों को पकड कर जेल भेज दिया जबकि एक अन्य अभी गिरफ्त से दूर है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अलावलपुर निवासी सत्यम पटेल अपनी दुकान बंद कर 31 जुलाई को मध्य रात्रि में जैसे कार से जाना चाहा। बाइक से आए तीन तमंचाधारी बदमाशों ने तमंचा लगा कर पांच हजार रुपए एंव मोबाइल लूट लिए। कार से पीछा उकरते हुए सत्यम ने नेशनल हाईवे थाना पडाव चौराहे के निकट मध्य रात्रि को कार से टक्कर मार कर बाइक सवार बदमाशों को गिरा दिया था जहां बदमाशों का तमंचा 315 बोर और बाइक बरामद हुई थी। बदमाश भागने में सफल रहे। गुरुवार को मऊआइमा थाने के सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार वर्मा, संजय मौर्या, अनुप वर्मा, कांस्टेबल राजेश राय, मनोज कुमार यादव ने .मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम बांकाजलालपुर प्राथमिक विद्यालय के पास से दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। जिसने अपना नाम अमित कुमार मिश्रा पुत्र अशोक कुमार मिश्रा, तथा विकास कुमार सरोज पुत्र दयाराम सरोज निवासी गण ग्राम छितपालगढ थाना देल्हूपुर प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिए। जहां पुलिस ने 315 बोर का तमंचा ,एक जीवित कारतूस, लूट का चौदह सौ रुपए बरामद कर। मऊआइमा पुलिस ने दोनों बदमाशों को जेल भेज कर एक अन्य फरार की तलाश में लगी हुई है।

चोरी की बाइक के साथ एक गिरफ्तार

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के शास्त्री पुल के नीचे से पुलिस ने जरिए मुखबिर मिली सूचना पर एक नाबालिक को चोरी के बाइक के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताते चलें कि झूंसी पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि शास्त्री पुल के नीचे एक संदिग्ध बाइक के साथ एक नाबालिक बैठा हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची झूंसी पुलिस ने उसे अभिरक्षा में लेकर कब्जे से चोरी की 01 मोटर साइकिल बरामद कर लिया। पुलिस टीम में उ0नि0 जितेन्द्र कुमार राजपूत,उ0नि0 नवीन कुमार सिंह, हे0का0 ज्योती बंधन सिंह मौजूद रहे।

शंकरगढ़ और आरपीएफ की टीम ने दो बदमाशों को दबोचा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। शंकरगढ़ और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक पिकअप वाहन, 15 क्विंटल रेलवे का लोहा (विद्युत पोल आदि), आक्सीजन सिलेंडर, एलपीजी सिलेंडर आदि बरामद हुआ है। पूछताछ में पता चला कि इन शातिर चोरों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर बमबाजी भी की थी। धरे गए दोनों अभियुक्त मुट्ठीगंज और नैनी के निवासी हैं। एसओ शंकरगढ़ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि एसआई विवेक कुमार राय, एसआई ऋतुराज सिंह ने अपनी टीम और आरपीएफ की संयुक्त टीम के साथ घेराबंदी कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी क्षेत्र के बदामा रेलवे क्रासिंग के नजदीक से की गई है। गिरफ्त में आए मोहित निषाद पुत्र अवधेश निषाद (निवासी जलालपुर, करेली, करेली, मूल पता अरैल, नैनी) और विकास केसरवानी पुत्र महेंद्र केसरवानी (निवासी गऊघाट, मुट्ठीगंज) के कब्जे से एक पिकअप वाहन मिला। उक्त वाहन पर रेलवे का चुराया गया 15 क्विंटल लोहा, तीन देशी बम, आक्सीजन सिलेंडर, एलपीजी सिलेंडर व अन्य उपकरण बरामद हुआ है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए इन लोगों ने पुलिस टीम पर हमला किया था। बताया कि चोरी करने के पूर्व इनके अन्य सहयोगियों के द्वारा रेकी कर स्थान की जानकारी दी जाती है। इसके बाद यह लोग अपनी टीम के साथ गैस कटर लेकर पहुंचते हैं और लोहा काटकर गाड़ी से उठा ले जाते हैं, इसके बाद उसका सौदा कर देते हैं। पुलिस की गिरफ्त में आए मोहित निषाद के खिलाफ शंकरगढ़ और लालापुर थाने में दो मामले दर्ज हैं।

रेलवे के विद्युत पोल, देशी बम, आक्सीजन व एलपीजी सिलेंडर हुआ बरामद

लुप्त होती जा रही सिवानों से कजरी की गूंज

मांडा। प्रयागराज अपने प्रीति रीति परम्परा और राग रंग को संजोवे वर्षा गीतों मे प्रमुखता से कभी सावन महीने मे गए जाने वाली कजरी और बांगों मे पड़ने वाली झुला का लोक रंग धीरे धीरे लुप्त होता जा रहा है। कभी गाँव की चौपालों और धान की रोपाई के समय मे खेतो सिवानो मे गाई जाने वाली वह गुंज अब सुनाई नही दे रही है। स्त्री विरह के प्रतीक माने जाने वाले कजरी गीतों मे हमारी लोक परम्परा संस्कृति और लोक रंग के साथ परंपराओं के जो रंग उभरे,वह धीरे धीरे गायब होते जा रहे है। रोपाई के समय गाये जाने वाले लगवही गीत, ताने होईहै छतवा, पहिरे होइही मोजवा आवत होईहै ना, हे ननदी तोहरे बिरनवा आवत होईहै ना। जैसे गीत अब सुनाई नही पड़ते।

महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर बनें : पंकज त्रिपाठी

अखंड भारत संदेश

उतरांव। गुरुवार को उतरांव थाना अध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी क्षेत्र के निमिथरिया बाजार स्थित के0डी0 पब्लिक इंटर मीडियट कालेज में पहुंचकर कालेज के छात्राओं को महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूक किया। उन्होंने ने कहां की महिलाओं को शिक्षित मजबूत और आत्मनिर्भर होने के लिए सरकार तरह तरह योजनाएं लाई है। जिससे महिलाएं शक्तिशाली और आत्मनिर्भर बनती है अपने जीवन से जुड़ी सभी फैसले स्वयं ले सकती है। परिवार और समाज में अच्छे से रह सकती है। समाज वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तिकरण है। महिलाओं को सशक्त बनाना परिवार देश स्वास्थ्य और समाजिक विकास के लिए आवश्यक है।वर्तमान दौर महिला सशक्तिकरण का दौर है। महिलाएं आँगन से लेकर अंतरिक्ष तक पहुँच गयी है लेकिन फिर भी कुछ क्षेत्र में महिलाओं की हालत दयनीय बनी है अंत में महिला सशक्तिकरण के लिए बनाये हुए योजनाएं और कानून के बारे में बताया गया। जैसे,112, 1090, 102, 108, कभी भी आपात कालीन समय में इन नंबरों से सहायता ली जा सकती है। इस मौके पर महिला सिपाही रंजना पाल,शाहिमा बनो,कालेज के प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह, बीरेंद्र कुमार, उपेंद्र कुमार,दिव्या सिंह, सोनम पटेल, आयुषी, यास्मीन, शालिया, मुस्कान, फरहिन, कालेज के प्रबंधक डॉ. नागेंद्र कुमार सिंह भी मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन निर्मल कवि ने किया।

जलजमाव से सड़कें खस्ताहाल राहगीर परेशान

सहसों। क्षेत्र में दो दिनों से रुक रुककर वर्षा होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें खस्ताहाल होने के कारण बने गड्ढों में जलभराव होने के कारण राहगीरों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। सहसों बाजार सहित सहसों से बगई चौराहे तक खस्ताहाल सड़क पर बने गड्ढों में जलभराव हो जाने से राहगीर परेशान हैं। इसी तरह प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग से देवनहरी, रुदापुर, राजमार्ग से बसमहुआ सहित आसपास क्षेत्र की सड़कें हो रही बरसात से बहुत खराब हो गई हैं। रुदापुर में बने परिषदीय विद्यालय में तो आने जाने वाले बच्चे सड़क पर कीचड़ व जलभराव में होकर विद्यालय आते जाते समय गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण कमलेश यादव सहित अन्य लोगों कहना है कि कई बार संबंधित विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया परंतु रुदापुर की खस्ताहाल सड़कों पर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। जिसके चलते बच्चों सहित ग्रामीणों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जबरन शारीरिक संबंध बनाने वाले आरोपी पर नहीं हो रही कार्रवाई, पीड़िता की सास ने एसीपी मेजा से लगाई न्याय की गुहार

रत्योरा। कोरांव थाना क्षेत्र के एक गांव में गांव के ही युवक के द्वारा विवाहिता के साथ जबरन असलहे के दम पर शारीरिक संबंध बनाने के मामले में कोरांव पुलिस को तहरीर देने के बाद भी कार्रवाई न होने से छुब्ध पीड़िता की सास ने एसीपी मेजा को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता की सास ने सहायक पुलिस आयुक्त मेजा को दिए गए शिकायती पत्र में बताया है कि 25 जुलाई की रात गांव का ही सजातीय युवक मेरे बहू के घर में रात्रि को घुस गया और असलहे के दम पर जबरन शारीरिक संबंध बनाया। जिसके बाद पीड़िता मौका पाकर चीखने व चिल्लाने लगी पास पड़ोस के लोग तब तक पहुंच गए। घर में घुसे युवक के द्वारा पीड़िता समेत उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए रास्ते से बगल हो जाने की धमकी दी गई। जिसके बाद सुबह पीड़िता की सांस ने कोरांव पुलिस को नामजद तहरीर दी। पीड़िता की सास ने आरोप लगाया है कि थाना कोरांव पुलिस के द्वारा नामजद आरोपी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके बाद पीड़िता ने अपर पुलिस आयुक्त मेजा से न्याय की गुहार लगाई है। अपर पुलिस आयुक्त के यहां से भी सुनवाई न होने पर पीड़िता ने पुलिस आयुक्त प्रयागराज से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

मांडा बीईओ ने किया परिषदीय विद्यालय में औचक निरीक्षण, अनुपस्थित अध्यापकों का वेतन काटने का दिया निर्देश

मांडा। मांडा ब्लॉक के 69 ग्राम पंचायतों में मौजूद परिषदीय विद्यालयों में खंड शिक्षा अधिकारी मांडा राजीव प्रताप सिंह ने औचक निरीक्षण करते हुए विद्यालयो में अनुपस्थित पाए जाने पर सहायक अध्यापक व शिक्षा मित्रों के एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। विद्यालयों अनुपस्थित पाए जाने वालों में बिंदु कुमारी शिक्षा मित्र विद्यालय उपरौध, रीना त्रिपाठी शिक्षा मित्र विद्यालय उमापुर,चंद्र जीत यादव सहायक अध्यापक विद्यालय खुरमा, रवि कुमार कश्यप सहायक अध्यापक विद्यालय बेदौली, सिद्धार्थ शंकर पांडेय शिक्षा मित्र विद्यालय गोरैया कला, अतुल कुमार तिवारी सहायक अध्यापक विद्यालय खुरमा, गौरव सहायक अध्यापक विद्यालय बघौरा खवासांन, हरि ओम यादव सहायक अध्यापक बघौरा खवासांन, मोहम्मद खालिद सहायक अध्यापक विद्यालय बेदौली के सभी अनुपस्थित अध्यापको का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया वही क्षेत्र के पांडेय पुर में जांच के दौरान मिली खामियां विद्यालय में खिड़की दरवाजे नही लगे है और पुस्तकालय की स्थापना भी नहीं की गई निपुण तालिका चार्ट भी नहीं लगाया गया था। प्रधानाचार्य की ओर से बिजली कनेक्शन के लिए झटपट पोर्टल पर आवेदन भी नहीं किया गया था इसके अलावा अन्य दस्तावेज की कमियां मिलने पर बीईओ ने कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट बीएसएफ को भेज दी। कार्यवाही से मांडा क्षेत्र के अध्यापकों में हड़कंप मचा है।

स्वच्छ व निर्मल गांव का सपना धूमिल कर रहे जिम्मेदार

सिरसा। स्वच्छ व निर्मल गांव के सपने को साकार करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना का संचालन किया जा रहा है। गांव को स्वच्छ व निर्मल बनाने की जिम्मेदारी निभाने वालों की लापरवाही के कारण गांव गंदगी से पटे हुए हैं। जहां बजबजाती नालियां, मार्ग पर फैला नालियों का मलवा व नाला बनी गांव की गलियां ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा रही है।प्रयागराज यमुनापार विकास खण्ड उरुवा के अंतर्गत ग्रामसभा सिकरा प्रधान ओम प्रकाश की लापरवाही लोगो पर पड़ी भारी। पहली बारिश में ही नालियां हुई चोक, घरों के अंदर घुस रहा पानी, लोग हो रहे परेशान। गांव की नालियों की सफाई न होने से सड़कों पर नाबदान का पानी बहता रहता हैं। इसके अलावा नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर गलियों में बहता है। बारिश के पानी के जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया हैं। जिससे संक्रमण विमारियों का फैलने का डर बना रहता हैं। ग्राम पंचायत सिकरा ग्रामवासियों का आरोप हैं कि प्रधान ओम प्रकाश के गलत नीति और गलत सोच पर पत्रो को नही मिला शौचालय जिससे गरीब और असहाय पात्र लोग रात के अंधेरे में खेत मे शौच के लिए जाने को विवस रहते है। और अपात्रो का चयन करके उन्हें शौचालय दिया गया। सिकरा ग्रामपंचायतों के ग्रामवासियों का कहना है कि जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से जांच कराया जाय तो बहुत कुछ सच्चाई सामने आ जायेगी।

करछना थाना प्रभारी पर युवती ने लगाया अभद्रता व अश्लील हरकत का आरोप

अखंड भारत संदेश

पुलिस कमिश्नर से की शिकायत, इंस्पेक्टर ने कहा, अपराधी भाई को बचाने के लिए लगा रही झूठा आरोप

करछना। पुलिस कमिश्नरेट के करछना थाना प्रभारी नरेंद्र प्रसाद पर सत्ता पक्ष से जुड़ी हुई एक महिला नेत्री ने घर में घुसकर अभद्रता और अश्लील हरकत करने और जबरन थाने ले जाने का संगीन आरोप लगाया है। भाजपा नेत्री का कहना है कि इंस्पेक्टर और उनकी टीम के लोगों का उन्होंने अपने मोबाइल से गुंडई और अभद्रता का जो वीडियो बनाया था। उसको जबरन डिलीट करा दिया गया और धमकी दी गई। थाने ले जाकर उनके साथ हाथापाई की गई जबरदस्ती घर से खींचते हुए गाड़ी पर बैठाया गया और अभद्र व्यवहार किया गया। पीड़िता ने संबंध में पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को शिकायती पत्र दिया है। हालांकि इंस्पेक्टर का कहना है कि वह महिला के भाई की तलाश में दबिश देने गए थे। भाई को बचाने के लिए झूठी कहानी रची जा रही है। यमुनानगर की करछना थाना अंतर्गत एक गांव की रहने वाली एक महिला का कहना है कि वह सत्ता पार्टी एक अनुषांगिक संगठन की वरिष्ठ पदाधिकारी 29 जुलाई की रात में 1:30 से 2:00 के बीच कुछ लोग उनके घर की छत पर चढ़ गए। उस वक्त वह लोग अपने घर में सोए हुए थे। पैरों की आहट पाकर जब युवती की नींद खुली और उसने छत पर चढ़े लोगों के बारे में पूछा। आरोप है कि वह लोग गाली गलौज करते हुए खुद को इंस्पेक्टर करछना बताया और गाली धमकाने लगे। युवती ने पुलिस वालों का वीडियो बनाना शुरू किया तो पुलिस वाले नाराज हो गए और उसको जबरदस्ती खींचते हुए अपनी गाड़ी में ले जाकर बैठा लिया। अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि उसके साथ हाथापाई और अश्लील हरकत की गई। विरोध करने पर थाने ले जाकर गर्मी निकाल देने तक को कहा गया। पीड़िता ने रात में ही पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को फोन मिलाया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। उसका कहना है कि उसने पुलिस की हरकत की सारी वीडियो बनाई थी। जिसे थाना प्रभारी नरेंद्र प्रसाद ने डिलीट करा दिया और मेरे साथ पेशेवर अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया जबकि मैं एक सामाजिक कार्यकर्ता और सत्ता पार्टी की एक अनुषांगिक संगठन की वरिष्ठ सदस्य हूं। इस संबंध में जब इंस्पेक्टर नरेंद्र प्रसाद से बात की गई तो उन्होंने कहा कि महिला का भाई शुभम करछना, खीरी, कोरांव, औद्योगिक क्षेत्र से तकरीबन 8 मुकदमों में वांछित चल रहा है। उसके खिलाफ लूट, छिनैती, चोरी, मारपीट, धमकी जैसे मामले पंजीकृत हैं। उस पर करछना थाने में अकेले तीन मुकदमे दर्ज है। वह 2019 से फरार है। उसी की तलाश में पुलिस टीम गई थी। उसी को बचाने के लिए युवती मनगढ़त आरोप लगा रही है। सारे आरोप बेबुनियाद है। एसीपी करछना अजीत सिंह चौहान का कहना है कि उनका भाई वाहन चोरी में वांछित है। उसी में पुलिस गई थी। भाई को बचाने के लिए युवती कहानी गढ़ रही है।

मऊआइमा में दर्जनों परिवार पी एम आवास से वंचित,पन्नी डाल कर रहने को मजबूर

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा विकास खण्ड के महरौंडा गांव मे मजदूर गरीब असहाय, आज भी कच्चे मकान एंव पन्नी डाल कर निवास करने को विवश हैं। पीएम, मुख्यमंत्री, आवास, प्राकृतिक आपदा कोष से आज तक दर्जनों गरीब वंचित हैं। जबकि ग्राम प्रधान तमाम अधिकारियों से फरियाद लगा चुके हैं। बीती रात तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से उनका पन्नी नुमा आशियाना उजड गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मऊआइमा के ग्राम सभा महरौंडा में बीती रात तेजहवाओं के साथ हुई बारिश ने पहले से कच्चे और पन्नी डाल कर निवास कर रहे गरीबों का आशियाना और उजाड दिया। जबकि गांव के रन्नू देवी पत्नी रमेश सरोज, जोहरा बीबी पुत्री मोहम्मद समी, नाजिया बीबी पत्नी वासिक अंसार, सुमन देवी पत्नी मक्खनचू, रेशमा पत्नी फिरोज, शाहाना पुत्री फिरोज ,अनीता देवी पत्नी जगत बहादुर, कलुइया देवी पत्नी सुम्मारी लाल आदि मुख्यमंत्री, पीएम आवास के लिए पहले से फरियाद लगा रहे थे। बची खुचे बीती रात बारिश ने और उजाड दिया। बताते हैं कि कई परिवार ऐसे हैं ।जिनके पास जमीन नहीं है।उन्हें आवासीय पटटा भी नसीब नहीं हुआ। पन्नी, कच्चे मकानों में इधर उधर रहने को मजबूर हैं। महरौंडा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दानिश ने बताया कि वह निरंतर लेखपाल अधिकारियों को अवगत करा रहे हैं यही नहीं बीती रात तेज बारिश से कच्चे मकानों को हुई क्षति का फोटो भी अधिकारियों को भेजे हैं। परन्तु कोई ध्यान नहीं दे रहा है।इस बाबत बीडीओ मऊआइमा उमेश सिंह से पक्ष जानने की कोशिश की तो उनका फोन नहीं उठा।

मऊआइमा में दर्जनों गरीब परिवार कच्चे जर्जर मकानों पन्नी डाल कर निवास कर रहे हैं, मऊआइमा के महरौंडा में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना गरीबों को नहीं मिला लाभ, बारिश ने आशियाना उजाडा

न्यूज झरोखा

शिव वृद्धा फाउंडेशन के आवासीय परिसर में एक साथ रोपे गए 500 पौधे

रत्योरा। शिव वृद्धा फाउंडेशन देवघाट बैठकवा के फाउंडर डायरेक्टर संजय भाई पटेल के नेतृत्व में वृहद पौधरोपण अभियान चलाया गया। शिव वृद्धा फाउंडेशन जो असहाय वृद्ध दिब्यांग एवं निराश्रित लोगों की मदद करता है। वृद्धों, दिब्यांगों को रहने के लिए निशुल्क आवासीय व्यवस्था मुहैया कराई जाती है। आवासीय आश्रम परिसर में एक साथ 500 फलदार एवं शोदार पौधे रोपे गए। पौधरोपण के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखा गया। एक साथ किए गए पौधरोपण कार्य की लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र के असहायों, वृद्धों, दिब्यांगो के लिए यह आश्रम संजीवनी का काम कर रहा है। आश्रम के फाउंडर संजय भाई पटेल ने कहा है कि जो भी वृद्ध दिव्यांग निराश्रित लोग आश्रम में रहना चाहते हो वे वहां रह सकते हैं। उनके लिए निशुल्क आवासीय व्यवस्था, कपड़े, भोजन आदि की व्यवस्था दी जाती है। यह आश्रम पिछले 5 वर्षों से क्षेत्र में लोगों के सहयोग से संचालित हो रहा है। जहां क्षेत्र ही नहीं गैर जनपदों के भी असहाय निराश्रित वृद्ध एवं दिव्यांगों को रहने की निशुल्क व्यवस्था दी जाती है। संजय भाई पटेल ने ऐसे जरूरतमंद लोगों को आश्रम तक पहुंचाने की अपील की है।

सब्जी लेने के लिए बाजार गया किशोर लापता

बारा। सब्जी खरीदने के लिए बाजार गया एक किशोर संदिग्ध दशा में लापता हो गया है। काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चलने पर परिजनों ने पुलिस से मदद मांगी है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम नारीबारी निवासी विकासचंद्र शुक्ल का 16 वर्षीय पुत्र अवनीश कुमार शुक्ल एक अगस्त की शाम को सब्जी खरीदने के लिए नारीबारी बाजार गया था। परिजनों के मुताबिक अवनीश शाम के छह बजे नारीबारी बाजार गया था, लेकिन काफी देर तक वह नहीं लौटा तो चिंता होने लगी।इसके बाद घर के लोग उसकी तलाश में नारीबारी बाजार तक गए, लेकिन अवनीश के बारे में कोई पता नहीं चला। अनहोनी की आशंका से परेशान खोजबीन शुरू कर दी। अवनीश के मित्रों के अलावा अन्य संभावित स्थानों, रिश्तेदारियों में भी पता किया गया। पर, अब तक कोई जानकारी हाथ नहीं आई। थानाध्यक्ष शंकरगढ़ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि खोजबीन के बाद परिजनों ने गुमशुदगी की जानकारी दी है। मामले में जांच की जा रही है। उसके मित्रों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

किसानों ने भरी हुंकार, एसडीएम हंडिया को सौंपा ज्ञापन

प्रतापपुर। भारतीय किसान यूनियन प्रतापपुर मंडल ने क्षेत्र की समस्याओं के लिए मंडल अध्यक्ष लालचंद्र यादव की अगुवाई में उपजिलाधिकारी हंडिया को ज्ञापन सौंपकर पूरेमियां बाजार में बैठक भी किया जिसमें वारी फूलपुर मार्ग की दुर्दशा और नहर में पानी नहीं आने आदि की समस्याओं के विषय में बातचीत कर आगे रणनीति की तैयारी के विषय में विचार विमर्श किया।इस अवसर पर यूनियन के जिलाध्यक्ष लल्लू प्रसाद पटेल, युवा जिलाध्यक्ष रमीज नटवी, जिला सचिव राजेन्द्र पटेल, फूलचंद उपाध्याय, शिवप्रसाद तिवारी, शिवप्रकाश पांडेय, फारुख शाह, राजा बाबू शुक्ल आदि यूनियन के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित बड़ी संख्या में आम जनमानस उपस्थित रहा।

खबर संक्षेप

यमुना में फिर तेजी से बढ़ने लगा जलस्तर

नैनी। नैनी में यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। कुछ दिन शंत रहन वाली यमुना एकबार फिर शहर के तटीय इलाकों में रहने वालों को डराने लगी हैं। नैनी में यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। गुरुवार सुबह आठ ब्जे तक (24 घंटे में) यमुना में 19 सेमी की वृद्धि हुई। यमुना का जलस्तर बढ़ने का प्रभाव संगम पर भी दिखाई पड़ने लगा है। छतनाग में सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 19 सेमी बढ़कर 77.16 मीटर पर पहुंच गया। फाफामऊ में सुबह गंगा का जलस्तर छह सेमी बढ़कर 78.34 मीटर पहुंच गया। दावा किया जा रहा है कि प्रयागराज और आसपास के जिलों में हो रही बारिश से गंगा, यमुना का जलस्तर बढ़ने लगा है।

अधिवक्ता विजय मिश्र की गिरफ्तारी के विरोध में वकीलों का चक्काजाम

अधिवक्ताओं का आरोप है कि पुलिस विजय मिश्र को फर्जी तरीके से फंसा रही है, यह वकीलों का अपमान है

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के अधिवक्ता विजय मिश्र की गिरफ्तारी के विरोध में कचहरी के अधिवक्ताओं ने बृहस्पतिवार को फिर आंदोलन किया। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सड़क जाम कर दिया। इससे कुछ देर के लिए आवागमन प्रभावित हो गया। सूचना पाकर पुलिस के तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिवक्ताओं का आरोप है कि पुलिस विजय मिश्र को फर्जी तरीके से फंसा रही है। यह वकीलों का अपमान है। वकालत पेशे से जुड़े होने के कारण वकील अपने मुवक्किल के संपर्क में रहता ही है। इस आधार पर वकीलों को गिरफ्तार कर प्रताड़ित करना गलत है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। अधिवक्ताओं ने कहा कि पुलिस गलत तरीके से अधिवक्ताओं को परेशान करने का कार्य कर रही है। यह नहीं रुका तो आगे कई और वकीलों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। इससे निष्पक्ष होकर अधिवक्ता कार्य नहीं कर पाएंगे। पुलिस और प्रशासन अधिवक्ताओं को दबाव में लेने का प्रयास कर रही है। विजय मिश्र की गिरफ्तारी इसका3 जीता जागता उदाहरण है।

वाराणसी प्रयागराज मार्ग झूंसी में लगा घंटो जाम

अखंड भारत संदेश

झूंसी। वाराणसी प्रयागराज मार्ग झूंसी पुलिस बूथ पर गुरुवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद घंटो जाम लगा रहा। जाम में फंसे स्कूली बच्चे घंटों इंतजार के बाद पैदल ही घर जाने लगे। जाम के दौरान कोई भी पुलिसकर्मी नहीं नजर आया जाम खुलवाने में दो होमगार्ड लगे थे पर उनकी कोई नहीं सुन रहा था। कांवर यात्रा की वजह से बांस बल्ली लगाकर एक लाइन को पूरी तरह से बंद किया गया है पुलिस बूथ के पास लोगों के सहूलियत के लिए बल्लियां हटा दी गई है। गुरुवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद पुलिस बूथ पर जाम लगने लगा देखते ही देखते फंक्शन स्थान से लेकर न्याय नगर गेट तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। कुछ लोग अपनी बाइक व चार पहिया वाहन लेकर कांवर मार्ग पर जाने लगे जिसकी वजह से स्थिति और खराब हो गई। जाम में आम लोगो के साथ कई स्कूली वाहन भी फंसे थे घंटों परेशान होने के बाद आसपास रहने वाले स्कूली बच्चे पैदल ही घर जाने लगे। जाम खुलवाने में दो होमगार्डों के अलावा कोई भी पुलिसकर्मी नहीं नजर आया आड़ा तिरछा घुस रहे लोगो को गार्ड रोक रहे थे पर कोई भी होमगार्डों कि नहीं सुन रहा था कुछ तो होम गार्डों से ही बहस करते नजर आए।

एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा इन जिलों के लिए ऐसे होगी बुकिंग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में तीसरे नंबर पर शुमार प्रयागराज एयरपोर्ट का और विस्तार किया जा रहा है। प्रयागराज एयरपोर्ट से जल्द ही हेलीकॉप्टर की सुविधा शुसरू करने की तैयारी है। संगमनगरी को पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने, यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर सेवा की शुरूआत होने जा रही है। सूबे के सभी एयरपोर्टों को एक दूसरे से जोड़ने, ज्यादा से ज्यादा सुविधा विकसित करने के आदेश सीएम ने दिए हैं। इसी क्रम में हेलीकॉप्टर सेवा की शुरूआत भी की जानी है। शुरूआत में हेलीकॉप्टर सेवा प्रयागराज से दिल्ली, मथुरा, आगरा, वाराणसी, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, चित्रकूट समेत आसपास के जिलों के लिए दी जाएगी। फिर इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। हेलीकॉप्टर सेवा की बुकिंग ऑनलाइन की जाएगी। इसके लिए प्रयागराज एयरपोर्ट एक एप सेवा भी शुरू करेगा। एयरपोर्ट के विकसित होने के दौरान हेलीकॉप्टरों के लिए यहां कई हेलीपैड तैयार होंगे। हालांकि हेलीकॉप्टर सेवा के लिए एजेंसी को भी हॉयर करने की तैयारी है। प्रयगाराज एयरपोर्ट से अभी 11 शहरों के लिए विमान सेवा उपलब्ध है। कोशिश है कि हेलीकोप्टर सेवा महाकुम्भ से पहले शुरू हो ताकि श्रद्धरालुओं को इसका फायदा मिल सके।

छात्रावास खाली कराने पर कांग्रेसियों का विरोध प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज पहुंचे पूर्व मंत्री अजय राय समेत अन्य पदाधिकारियों ने कहा सरकार के इशारे पर छात्रों का हो रहा उत्पीड़न

प्रयागराज। में बालसन चौराहा स्थित डीसी छात्रावास खाली कराने का मामला दिन प्रतिदिन गर्म होता जा रहा है। गुरुवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर जबरदस्त विरोथ प्रदर्शन किया। प्रकरण संज्ञान में आने के बाद यूपी कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी ने पूरे मामले की गहन जांच के लिए 13 सदस्यीय कमेटी गठित किया। जिसमें कांग्रेस पूर्वी जोन के अध्यक्ष अजय राय, विधयाक वीरेंद्र चौधरी, संगठन सचिव अनिल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, मकसूद खान, प्रदेश महासचिव विवेकानंद पाठक, सुशील पासी, मुकुंद तिवारी, के अलावा जिला शहर कमेटी के अध्यक्ष को मौके पर भेजा गया। इस दौरान कमेटी के सदस्यों ने स्थानीय नेता और कार्यकताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर धरना दे रहे कांग्रेसियो ने जिलाधिकारी से मिलने की जिद पर अड़ गए। मामला बढ़ता देख अपर जिलाधिकारी नगर प्रदर्शनकारियों से वात्ता की। कमेटी के सदस्यों ने कहा की 1952 से संचालित डीसी छात्रावास का पहले अनुदान रोका गया। बाद में भूमाफिया के इशारे पर इसे खाली कराया गया। हॉस्टल खाली होने से छात्र सड़क पर रहने को मजबूर हैं। कंग्रेसियों ने छात्रावास खाली कराये जाने के मामले को सड़क से सदन तक लड़ने की चेतावनी भी दी। वाराणसी से आए कांग्रेस पूर्वी जोन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा, यह सब भाजपा सरकार के इशारे पर किया जा रहा है। पूरे देश से छात्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने के लिए आते हैं लेकिन उन्हें सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं मिल रहा है। वहीं जिलाधिकारी संबोधित दो सूत्रीय मांग पत्र एडीएम सिटी को सौंपकर जल्द कार्यवाही करने की मांग की। इसके बाद डेलिंगेशन के सदस्यों ने बालसन चौराहा स्थित डीसी छात्रावास जाकर मौके का निरीक्षण किया। इस दौरानः प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यवीर सिंह, शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन, गंगापार अध्यक्ष सुरेश यादव, यमुनापार अध्यक्ष अरुण तिवारी, अनुग्रह नारायण सिंह, संजय तिवारी, वसीम अंसारी, हसीब अहमद, मनोज पासी, फुजैल हाश्मी, तस्लीम उद्दीन, राकेश पटेल, किशोर वाष्णेय, रईस अहमद, नयन कुशवाहा, राकेश श्रीवास्तव, दिनेश सोनी, सुनील यादव, अंजुम नाज, समीर पासी, शादाब अहमद, बृजेश सिंह समेत आदि लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

क्लीनिक में लटका मिला युवक का शव

पत्नी ने कहा आखिरी बार रात में हुई थी बात तब सब ठीक था नहीं मिला सुसाइड नोट

प्रयागराज। में डेंटल क्लीनिक में काम करने वाले युवक का शव फांसी पर लटका मिला। क्लीनिक के डॉक्टर ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। परिवार के लोग आए। उसके बाद पूछताछ करके लाश को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। पुलिस का कहना है कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। अभी वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। थाना अंतर्गत राजापुर मोहल्ले का रहने वाला रंजीत कुमार उर्फ छोटू (32) पिछले 15 सालों से कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र के जानकीपुरम कॉलोनी में स्थित सौम्या डेंटल क्लीनिक के डॉक्टर डॉ प्रवीण तिवारी के यहां काम करता था। बुधवार को काम पर ही था। उसकी पत्नी अर्चना ने बताया कि बुधवार रात करीब 7:45 बजे उसकी रंजीत से फोन पर बात हुई थी। तब रंजीत ने बताया था कि वह सब्जी लेने जा रहा है। इसके बाद कोई बातचीत नहीं हुई। आज फोन आया कि उसके पति ने क्लीनिक के अंदर फांसी लगा ली है। पता चलने पर पहुंची कर्नलगंज पुलिस ने शव को कब्जे में उतारकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। इंस्पेक्टर कर्नलगंज बृजेश सिंह ने बताया कि युवक का शव फा्सी के फंदे पर लटका मिला है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वह भी कोई स्पष्ट नहीं हुई है। लाश का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जांच के बाद क्लियर होगा।

पूर्व विधायक सईद अंसारी के घर नोटिस चस्पा

सिविल लाइंस पुलिस ने 2017 में दर्ज किया था अमानत में खयानत का केस, तभी से चल रहे फरार

प्रयागराज। करोड़ों रुपये अमानत में खयानत करने के आरोपित सपा के पूर्व विथायक सईद अंसारी के सिविल लाइंस स्थित मकान पर पुलिस ने नोटिस चस्पा किया है। सईद के खिलाफ वर्ष 2017 में सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। कोर्ट के आदेश के बावजूद पूर्व विधायक अदालत में पेश नहीं हो रहे हैं। वह काफी समय से फरार चल रहे हैं। अदालत के आदेश पर पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत मुनादी कराते हुए नोटिस चस्पा किया है। इसके बाद भी अगर गिरफ्तारी नहीं होती है। तो संपत्ति कुर्क करने की कार्वाई की जाएगी। पा के पूर्व विधायक सईद अंसारी और उसके बेटे कवि के खिलाफ 25 नवंबर 2017 को सिविल लाइंस थाने में करेली निवासी नवी बक्श ने मुकदमा दर्ज हुआ था। उसका आरोप था कि सिविल लाइंस में जमीन दिलाने के नाम पर 80 लाख रुपये की ठगी की गई। हालांकि पुलिस ने विवेचना के दौरान मुकदमे से कवि अहमद का नाम बाद में निकाल दिया था। सिविल लाइंस थाने में कवि के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में एफआइआर लिखी गई थी। नैनी निवासी ब्यूटीपालर चलाने वाली एक युवती ने कवि पर झांसा देकर दुष्कर्म करने और मारपीट व लूट का कस दर्ज कराया था।

घाट पर मछली मारने गया युवक गंगा में डूबा

नीवा घाट के पास 24 घंटे बाद मिला शव, हादसे के कारण की जांच कर रही पुलिस

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में नीवा गंगा घाट पर मछली मारने गया युवक गंगा में ड्रब गया। 24 घंटे बाद उसकी लाश गंगा से बरामद की गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। धूमनगंज थाना अंतर्गत मुंडेरा चुंगी निवासी मिथुन कुमार पासी (35) पुत्र दिलीप पासी तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसके भाई मुकेश पासी ने बताया कि उसकी पत्नी का नाम रानी है। उसके एक बेटा और दो बेटियां हैं। वह प्राइवेट काम करके परिवार का भरण पोषण करता था । बुधवार को वह घर से मछली मारने के लिए बता कर निकला था। उसके बाद वापस नहीं लौटा। रात में मुर्कश जब घर आया, तब घरवालों ने बताया कि मिथुन मछली मारने के लिए कह कर गया है, लेकिन आया नहीं। मुकेश रात भर मिथुन की खोजबीन करता रहा, लेकिन पता नहीं चला। सुबह 3:00 बजे वह क्षेत्र के नींवा गंगा घाट पर उसकी तलाश करने पहुंच गया। मुकेश के अनुसार भोर में 3:00 बजे से गोताखोरों के साथ भाई मिथुन को खोजते खोजते सारा दिन बीत गया। दोपहर बाद 2:30 से 3:00 बजे के आसपास उसकी बॉडी गंगा में नीवा घाट पर बरामद हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंगा में वह कैसे डूबा, इसके बारे में वह कुछ बता नहीं पाया। चौकी इंचार्ज नीवा आजीत सिंह का कहना है। कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद पता चलेगा कि मौत का कारण क्या है।

छात्रों को मुफ्त में किया गया पुस्तकों का वितरण

थरवई। शिक्षा जगत को आगे बढ़ाने के लिए मुफ्त में बच्चों को पुस्तकों के वितरण पहल की गयी। इस पहल के अंतर्गत गयादीन इंटर कॉलेज में छात्रों को उनके अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त पुस्तकों का वितरण किया गया विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य साथ ही अध्यापकगणों ने बताया कि मुफ्त पुस्तकों का वितरण मेधावी व निम्न वर्ग के बच्चों के भविष्य को अग्रणी दिशा में ले जाने का सराहनीय कदम है तथा इस मुफ्त पुस्तक वितरण के माध्यम से छात्रों को समर्पित शिक्षा संसाधनों तक पहुंचने का एक नया व सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने में मदद करेगा ।ऐसा कहा गया है कि पुस्तकें छात्रों के मस्तिष्क की बूँदें होती हैं, जो उन्हें ज्ञान के समुद्र में ले जाती हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र में छात्र संसद एवं कन्या भारतीय शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र इंटर कॉलेज नैनी प्रयागराज में छात्र संसद एवं कन्या भारतीय शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ ' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विभास मिश्रा ,प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक शाखा नैनी एवं अध्यक्ष डॉ रघुराज सिंह मंत्री भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि चेतन ने सभी पदाधिकारियों को उनके पद और गोपनीयता की शपथ दिलाईक शिशु भारती में अध्यक्ष के पद पर विभव पांडे, अनुशासन प्रमुख आर्य कुमार तथा सेनापति के रूप में तेजस्वी सिंह ने अपने पद की शपथ ली ककन्या भारती में प्रधानमंत्री के रूप में पलक त्रिपाठी ,अनुशासन प्रमुख श्रेयांशी पांडे एवं सेनापति स्नेहा सिंह चौहान और छात्र संसद के पदाधिकारियों में विद्यालय के प्रधानमंत्री भैया योगेंद्र कुमार, अनुशासन प्रमुख आनंद सिंह एवं सेनापति माधव सिंह ने अपने पद की गोपनीयता की शपथ लेते हुए कहा कि विद्या भारती की संकल्पना के अनुरूप विद्यालय को आदर्श स्वरूप प्रदान कराने में समर्पण भाव से प्रयत्नशील रहूंगा रहूंगी तथा छात्र मंत्रिमंडल की आंतरिक चर्चा की गोपनीयता को प्रमाणिकता से बनाए रखूंगा रखूंगी क छात्र संसद के अध्यक्ष विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ विंध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी तथा उपाध्यक्ष सुरेश्वर प्रसाद मिश्र ,कन्या भारती की प्रमुख आशा तिवारी व शिशु भारती के प्रमुख बनवारी लाल चौरसिया के नेतृत्व में छात्र संसद एवं कन्या भारती का सफल संचालन हो रहा है इस शुभ अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र छात्राएं एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मीट एंड ग्रेट की मीटिंग में ग्राहकों का हुआ सम्मान

मेजा। गुरुवार को मेजारोड बाजार स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में मीट एंड ग्रेट मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें उपभोक्ताओं को बैंक ऑफ बड़ौदा से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। बता दे कि बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में मीट एंड ग्रेट की बैठक में पहुंचे ऑफिसर आशुतोष व शाखा प्रबंधक राशिद अंसारी अपने ग्राहकों पप्पू उपाध्याय, सिंटू सेठ, सागर गुप्ता, मोहम्मद जफर मनोज केसरी राहुल मिश्रा नितिन अग्रवाल सहित मौजूद अन्य ग्राहकों को बैंक ऑफ बड़ौदा से संबंधित एक से बढ़कर एक जानकारी दी गई तथा योजनाओं के बारे में बखूबी समझाया गया। तथा लोगों को बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में ज्यादा से ज्यादा जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान शाखा प्रबंधक ने ग्राहकों का माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नाथु गुप्ता, साधु शर्मा, शेखर,राकेश, अपूर्व, अरुण, निशांत, अनिल मिश्रा, संकुल श्रीवास्तव सहित आदि लोग मौके पर मौजूद रहे।

बालकाव्य कृति परी और पीहू पर मिला स्वर्ण सम्मान

अखंड भारत संदेश

स्थानीय कवियों लेखकों ने दी डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय को बधाई

करछना। यमुनापार प्रयागराज से विगत चार दशकों से प्रकाशित हिंदी मासिक पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा के संपादक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय द्वारा रचित बाल काव्य संग्रह परी और पीहू पर अखिल भारतीय साहित्य सृजन मंच खगड़िया बिहार द्वारा स्वर्ण सम्मान प्रदान किया गया है। डॉ. उपाध्याय की इस उपलब्धि पर स्थानीय कवियों लेखकों ने उन्हें बधाई दी है। अवध साहित्य अकादमी और तारिका विचार मंच प्रयाग तथा पवन प्रभात साहित्य मंच द्वारा अपनी प्रतिभा को निरंतर विकसित करने की ओर अग्रसर स्थानीय साहित्यकारों कवियों और लेखकों ने डॉ उपाध्याय के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें स्वर्ण सम्मान मिलने पर हार्दिक बधाई दी है और अपेक्षा व्यक्त की है कि यह निरंतर साहित्य सृजन में संलग्न होकर शीघ्र ही अन्य जनोपयोगी बाल साहित्य उपलब्ध कराएंगे। उल्लेखनीय है कि जनवरी 81 से प्रकाशित पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा के माध्यम से डॉ उपाध्याय ने स्थानीय कवियों लेखकों और पत्रकारों को सुव्यवस्थित और सुविचारित मंच प्रदान करने की सार्थक पहल की है। समय-समय पर मासिक गोष्ठियों और विचार प्रवाह श्रृंखलाओं के माध्यम से सदैव साहित्यिक अभिरुचि जगाने में डॉ. उपाध्याय की महती भूमिका रही है। इसी क्रम में उन्होंने अपने बाल काव्य संग्रह परी और पीहू जो अल्प समय में ही विद्यालयों के बच्चों द्वारा लोकप्रिय हो गया है और प्रथम संस्करण की प्रतियां समाप्त हो चुकी हैं को अखिल भारतीय साहित्य सृजन मंच खगड़िया के प्रोत्साहन से ही प्रकाशित किया है।

मेजा पुलिस का जुए की फड़ पर छापा

प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र के डेंगुरपुर शमशान घाट पर बने धर्मशाला में जुआ खेलते 19 जुआरियों को पुलिस ने घरेबन्दी कर दबोच लिया। पुलिस ने जुए की फड़ से नकदी भी बरामद की है। सभी आरोपियों का पुलिस ने चालान कर दिया है। इससे इलाके के अन्य जुए की फड़ों पर सन्नाटा पसर गया है।मेजा एसीपी विमल किशोर मिश्र के निर्देशन में मांडा थाना प्रभारी अरविंद कुमार गौतम, भारतगंज चौकी प्रभारी दुर्गेश सिंह, दिघिया चौकी प्रभारी आशीष कुमार ने पुलिस फोर्स के साथ गुरुवार दोपहर तीन बजे के आसपास डेंगुरपुर शमशान घाट पर बने धर्मशाला भवन की घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने कुल 19 जुआरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जुए की फड़ से 19815 रुपये सहित ताश के पत्ते बरामद किए। गिरफ्तार लोगों में नाहवाई गांव से शिवम फिवारी, निखिल तिवारी व सत्यम तिवारी, डेंगुरपुर गांव से संजय कुमार, राजकुमार, रमेश कुमार, राम सुमेर, चिंतामणि, पूरन चंद्र, संजय कुमार, राम प्रसाद, भरत, रमाशंकर, और टिकरी गांव के पंकज यादव, मुलायम यादव, महेवा कला से महेंद्र कुमार सहित कई लोग शामिल हैं।

छोटी उम्र में यमुना पार करने वाले बच्चे सम्मानित

अखंड भारत संदेश

अमृत वर्षा कार्यक्रम में हुआ सम्मान, प्रशस्ति पत्र व नकद इनाम देकर बढ़ाया उत्साह

प्रयागराज। कम उम्र में उफनाती यमुना को तैरकर पार करने वाले बच्चों को अखिल भारतीय युवा खत्री समाज द्वारा सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व भारत रत्न से सम्मानित राजश्री पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्म दिवस पर लाला लाजपतराय शिशु बिहार स्कूल कल्याणी देवी में यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अमृत वरषा कार्यक्रम में बच्चों को प्रशस्ति पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया गया। बृजेश सिडाना (बिट्टू जी) व शरद टंडन (पप्पन भैया) ने बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मानित होने वालों में रूद्र कपूर जोकि टैगोर पब्लिक स्कूल में कक्षा 2 के छात्र है, रूद्र कपूर रुद्र कपूर ने मात्र 10:30 मिनट में यमुना नदी पार की थी। श्रेयांश खन्ना पुत्र संजजीव खन्ना, टैगोर पब्लिक स्कूल प्रयागराज में कक्षा 1का छात्र है। श्रयांश ने 11:30 मिनट में यमुना नदी पार किया था। सानवी वर्मा केवल 6 साल की हैं और टैगोर पब्लिक स्कूल प्रयागराज में प्रेप ए की छात्रा हैं। सानवी ने दिनांक 11 मिनट में यमुना नदी तैरकर पार किया था। पूजा कपूर ने 45 साल की उम्र में कोविड-19 में यमुना नदी में नवजीवन तैराकी क्लब से तैयारी सीखा था। तैराकी कोच कमला निषाद व त्रिभुवन निषाद से मात्र 18 दिन में तैराकी सीखकर यमुना नदी पार कर लिया था। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे पर तो खुशी थी ही साथ ही साथ अभिभावक भी बहुत खुश थे। सभी छोटे बच्चों की हिम्मत की दाद दे रहे थे।

18 घंटे तक ध्वस्त रही शहर की विद्युत व्यवस्था

दहिलामऊ विद्युत उपकेन्द्र बंद कर भाग गये थे कर्मचारी, बुधवार की शाम वर्षा के बाद ध्वस्त हुई शहर की विद्युत व्यवस्था

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बुधवार की शाम वर्षा होने के बाद शहर की विद्युत व्यवस्था धड़ाम हो गई। दहिलामऊ विद्युत उपकेन्द्र में शटडाउन लेकर पोल पर चढे.एक लाइन मैन के करण्ट मार देने से क्षुब्ध कर्मचारियों ने दहिलामऊ विद्युत उपकेन्द्र में ताला जड़कर भाग गये थे जिससे पूरी रात दहिलामऊ विद्युत उपकेन्द्र बंद रहा। इसी प्रकार बाबागंज विद्युत उपकेन्द्र पर फीडर जलने से भंगवा चुंगी से लेकर सदर बाजार मोड़ तक पूरी रात विद्युत आपूर्ति ठप रही। इससे पूरा शहर बिजली, पानी के लिये परेषान हो उठा। इनवर्टर जवाब दे गये थे। लोगों को मोबाइल चार्ज करने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

दहिलामऊ विद्युत उपकेन्द्र पर हंगामा करते लोग।

बताया जाता है कि बुधवार की शाम शहर की विद्युत आपूर्ति ठप हुई तो दूसरे दिन अपरान्ह तक अधिकांष क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति चालू हो गई थी लेकिन चैक, सदर बाजार के कुछ क्षेत्रों में आपूर्ति काफी बाद में हो पाई। इस तरह लगभग 18 घंटे तक प्रतापगढ़ के नागरिक बिजली, पानी के बिना रहे। दहिलामऊ में विद्युत लाइन मैन के घायल होने से मचा बवाल आज पूर्वान्ह में जेई, एसडीओ व शहर कोतवाल के पहुंचने पर विद्युत आपूर्ति बहाल हो पाई। नागरिकों का कहना है कि शहर में जब बिजली की यह दषा है तो गांव में बिजली का क्या हाल होता होगा? जानकार लोगों का कहना है कि शासन द्वारा 24 घंटे की विद्युत आपूर्ति पर विद्युत विभाग पलीता लगा रहा है। आखिर प्रतापगढ़ मे बिजली की इतनी जर्जर व्यवस्था क्यों है? इसमें सुधार क्यों नहीं किया जा रहा है? कहा जाता है कि तेल की कमी व घटिया विद्युत उपकरणों के कारण बिजली की दुर्दषा नागरिकों को झेलनी पड़ रही है। इस बारे में विद्युत अधिकारी फाल्ट का रोना रोते हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से 5 एमबीए का ट्रांसफार्मर हुआ खराब

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कुंडा पावर हॉउस से जुड़े गढ़ी मानिकपुर उप केंद्र पर आकाशीय बिजली के गिरने से 5 एमबीए का दोनो ट्रांसफार्मर मे तकनीकी खराबी आ जाने से बिजली आपूर्ति बन्द हो गयी है। उप खंड अधिकारी मानिकपुर राहुल वैश्य व जे ई ओसामा सिद्दीकी अपने स्टॉफ के साथ तकनीकी खराबी को जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने मे लगे है। उपभोक्ताओं से संयम बरतने की अपील किया है।

कानपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन की समय सारिणी बदलने की सांसद ने उठाई मांग

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। कौशाम्बी सांसद ,संसदीय आचार समिति लोकसभा के चेयरमैन, दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव के प्रभारी विनोद सोनकर बुधवार को रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मिलकर प्रयागराज संगम से वाया उंचाहार कानपुर सेंट्रल के मध्य चलने वाली ट्रेन संख्या 14101-14102 का समय सारिणी परिवर्तित करके सुबह 7 बजे प्रयागराज संगम से कानपुर से लिए व शाम 3 बजे कानपुर से प्रयागराज संगम के लिए संचालित करवाने का अनुमोदन पत्र सौंपा।

बता दे क्षेत्र के लोगों ने सांसद विनोद सोनकर से 2017 में कानपुर के लिए एक्सप्रेस ट्रेन चलवाने की मांग की। वर्ष 2018 में सांसद के प्रस्ताव पर रेल मंत्रालय द्वारा कानपुर से प्रयागराज के लिए ट्रेन चला दी गई। क्षेत्रीय जनता ने ट्रेन को सुबह प्रयागराज से कानपुर के लिए संचालित करवाने की मांग

रेल मंत्री से मिलकर ट्रेन के ठहराव की मांग

की । सांसद ने रेल मंत्री से मिलकर सुबह चलवाने का पत्र सौंपा। प्रयागराज जं. से लखनऊ जं. रेलवे लाइन के मध्य पड़ने वाले लालगोपालगंज व गढ़ी मानिकपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या-14209-14210 प्रयागराज संगम लखनऊ एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव करने का अनुमोदन पत्र समस्त क्षेत्रवासियों की ओर से सौंपा। इस ट्रेन के ठहराव से आमजनों को यातायात में विशेष सुविधा होगी। उक्त जानकारी सांसद विनोद सोनकर के मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय ने दी है।

मानिकपुर मंडी में सरकार की ओर से 70 रुपए किलो मिलेगा टमाटर

कुण्डा, प्रतापगढ़। प्रदेश सरकार की ओर से शुक्रवार को मानिकपुर स्थित जायसवाल मंडी में सुबह 7 बजे से 70 रुपए प्रति किलो टमाटर आम जनमानस को मिलेगा। प्रत्येक व्यक्ति को एक किलो टमाटर मिलेगा। उक्त जानकारी संजय सोनकर ने दी है।

स्टेरिंग फेल होने से खड्ढ़ में गयी मैजिक, बाल बाल बचे स्कूल के बच्चे

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बच्चों को स्कूल लेकर जा रही मैजिक की अचानक स्टेरिंग फेल हो गयी। इससे अनियंत्रित होकर मैजिक सड़क किनारे खडढे में चली गयी। संयोग अच्छा रहा कि उस पर सवार बच्चे व चालक बाल-बाल बच गये। मार्डन कान्वेंट स्कूल सलेम भदारी की मैजिक सगरा सुन्दरपुर इलाके से सात बच्चों को लेकर गुरूवार सुबह स्कूल जा रही थी। चालक सूरज वर्मा 20 के अनुसार इटौरी लालगंज मार्ग पर अचानक स्टेरिंग फेल होने से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खडढ में चली गयी।

इटौरी लालगंज मार्ग पर खडढ में गयी स्कूल की मैजिक।

हालांकि चालक की सूझबूझ से उस पर सवार सभी सात बच्चे सकुशल रहे। मैजिक के खडढ़ में जाने की जानकारी होने पर अभिवावक भी भागकर मौके पर पहुंचे। बच्चों को सही सलामत देख राहत की सांस ली। चालक ने दूसरे वाहन से सभी बच्चों को स्कूल भेजवाया। पुलिस ने घटना की जानकारी से इंकार किया है।

भगवान के प्रति श्रद्धा व समर्पण अमूल्य: पं. विनय शुक्ल

साध्वी शिवानी तिवारी ने श्रद्धालुओं को कथा में भगवत कृपा का कराया बोध

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के घुइसरनाथ रोड पर हो रही सामूहिक श्रीमदभागवत कथा ज्ञानयज्ञ में चैथे दिन गुरूवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमडी। कथाव्यास भागवत भूषण पं. विनय शुक्ल ने कहा कि भगवान की कथा का श्रवण करने वाले सनातनी का जन्म जन्मांतर का पाप स्वतः नष्ट हो जाया करता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को बताया कि भगवान श्रीराधे-कृष्ण की उपासना का प्रतिफल सहज एवं

घुइसरनाथ धाम में कथा में आरती पूजन करते श्रद्धालु।

सरल भाव से मिला करता है। उन्होने कहा कि भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास का कोई मूल्य नही हुआ करता। कथा के दौरान व्यासपीठ से भगवान के मनमोहक भजन संकीर्तन में भी श्रद्धालु रमे दिखे। कथा के संयोजक सुरेन्द्र कुमार व धीरेन्द्र शुक्ल ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। इधर बाबा घुइसरनाथ धाम में हो रही श्रीमदभागवत कथा में अर्न्तराष्ट्रीय कथाव्यास पाराशर जी महराज की शिष्या साध्वी शिवानी तिवारी जी ने गुरूवार को बताया कि भगवान भक्त वत्सल हैं।

उन्होने कहा कि भगवान की आराधना से व्यक्ति का अन्त भी मोक्षदायी हुआ करता है। भीष्म पितामह के मृत्यु शैया पर भगवान द्वारिकाधीश से संवाद का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए साध्वी शिवानी ने कहा कि भगवान की वचनबद्धता सदैव पूर्णता का प्रतिफल देती है। कथा के दौरान संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व रूरल बार के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने साध्वी शिवानी का सारस्वत सम्मान किया। सह संयोजक पप्पू तिवारी ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। कथा श्रवण के दौरान आचार्य पं. दिनेश तिवारी शास्त्री, पं. सोनू दुबे, पंकज पाण्डेय के संयोजन में भजन संकीर्तन की संगीतमयी प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु महिलाएं भावविभोर हो उठीं। इस मौके पर रामबोध शुक्ल, विपिन शुक्ल, मनोज त्रिपाठी, दीपेन्द्र त्रिपाठी, किरन शुक्ला, धीरेन्द्र शुक्ला, केशवदत्त पाण्डेय, उषा तिवारी, नीलम तिवारी, शिवकरन चतुर्वेदी, सतीश तिवारी, रामलाखन जायसवाल, इंद्रजीत सिंह, सुशील पाण्डेय, अवनीश शुक्ल, मुन्ना जायसवाल, सिल्लू मिश्र आदि रहे।

कालजयी व्यक्तित्व था पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय का : श्याम किशोर

हर्षोल्लासपूर्वक मना पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय का जन्मदिवस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रदेष सरकार के पूर्व मंत्री तथा दो दर्जन शिक्षण संस्थाओं के संस्थापक पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय का जन्मदिवस समारोह तिलक इंटर कालेज सभागार में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं0 श्याम किशोर शुक्ल रहे।

इस मौके पर पं0 मुनीष्वरदत्त उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जलन किया गया। उसके बाद छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत का आयोजन किया गया। स्वागत भाषण विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार तिवारी ने किया। इस अवसर पर स्कूल की छात्र-छात्राओं ने षिक्षिका एकता के निर्देषन में सोहर, कजरी गीत गाकर वातावरण को खुषनुमा कर दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पं0 श्याम किषोर शुक्ल ने कहा

जन्मदिवस समारोह में बोलते पं0 श्याम किशोर शुक्ल।

कि पंडित उपाध्याय जी का व्यक्तित्व कालजयी था। उन्होंने ग्रामीणांचल में जन्म लेकर जिस तरह से पूरे देष में अपने व्यक्तित्व को विस्तारित किया, वह वंदनीय है। अध्यक्षता कर रहे डा0 प्रषांत देव शुक्ल ने कहा कि आज उनका जन्मदिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब विद्यालयों के षिक्षकगण संकल्प के साथ अनुषासन को संयमित कर विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के निर्माण में आगे बढ़ाएं। विषिष्ट अतिथि श्याम शंकर मिश्र ने कहा कि पं0 उपाध्याय जी के व्यक्तित्व के साथ विषेषण जोड़ना सूरज को दिया दिखाने जैसा होगा। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी ने पं0 उपाध्याय की दृढ़ता व साहस के अनेक संस्मरण सुनाए। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष नरसिंह प्रकाष मिश्र, पूर्व वीडीओ विधिदेव शुक्ल, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ल, पं0 राम विभूति मिश्र, मनोराम मिश्र, एपी त्रिपाठी, अमरनाथ त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र कुमार शुक्ल, शैलेन्द्र मिश्र, ओम प्रकाष मिश्र, संतोष पाण्डेय, विनीता सिंह, राकेष तिवारी, आलोक त्रिपाठी, गिरजाषंकर उपाध्याय, एकता पाण्डेय, महेन्द्र त्रिपाठी, गिरेन्द्र तिवारी, मनोरमा मिश्र, आनंद तिवारी आदि मौजूद रहे।

मौजूद शिक्षक-शिक्षिकाएं।

कार्यक्रम का संचालन इंटर कालेज साहबगंज के प्रधानाचार्य तथा प्रसिद्ध साहित्यकार श्याम शंकर शुक्ल श्याम ने किया।

विहिप ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढं। बृहस्पतिवार को तहसील पट्टी मुख्यालय पर जोर शोर से हल्ला करते हुए विश्व हिंदू परिषद अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी कार्यकताओं तहसील पट्टी मुख्यालय पर उपजिलाधिकारी पर देश दीपक सिंह को राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा देश में हो रहे हिंदुत्व पर घमासान पर चिंता जाहिर किया है असुरक्षित महसूस करते हुए उन्होंने लिखा है कि लगातार देश में हिंदू भावनाओं के साथ आहत पहुंचाया जा रहा है लगातार अलग-अलग प्रदेशों में हिंदुओं की जिहादी मानसिकता ओं के द्वारा हत्या किया जा रहा है। इस अवसर पर विमल सिंह, अंतरराष्ट्रीय विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष विनीत सिंह, शिवा सिंह, रमेश कुमार गौतम आदि लोग मौजूद रहे।

याद किए गए महामना पंडित मुनेश्वर दत्त उपाध्याय

प्रतापगढ़। जगदीश नारायण इंटर कॉलेज ढिंगवस के प्रांगण में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जनपद प्रतापगढ़ के प्रथम सांसद लगभग दो दर्जन शैक्षणिक संस्थाओं के संस्थापक महामना पंडित मुनेश्वर दत्त उपाध्याय जी की जयंती विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश प्रसाद त्रिपाठी की अध्यक्षता में हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य श्री त्रिपाठी ने पंडित जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व कभी भुलाया नहीं जा सकता शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान आज जनपद की कोने कोने में अपनी एक अलग पहचान बन चुकी है। इस मौके पर विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे विद्यालय के बच्चों द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

दुर्घटना में युवक की मौत, चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार युवक की दुर्घटना में मौत हो गयी। दुर्घटना को लेकर मृतक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। उदयपुर थाना के मठिया किशुनगढ़ निवासी स्व. सुखलाल कोरी का पुत्र संतोष कुमार कोरी 40 बुधवार की रात आठ बजे मठिया तिराहे पर भण्डारे मे शामिल होने गया था। घर वापस आते समय तिराहे के समीप सामने से अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में संतोष को गंभीर चोटें आ गयी। आननफानन मे वहां मौजूद लोगों ने उसे एम्बुलेंस से सांगीपुर सीएचसी इलाज के लिए पहुंचवाया। अस्पताल मे चिकित्सकों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। संतोष की मौत की सूचना घर पहुंची तो परिजनों मे कोहराम मच गया। मृतक राजगीरी का कार्य कर परिवार का भरण पोषण किया करता था। जानकारी होने पर उदयपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर गुरूवार को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। घटना को लेकर मृतक की पत्नी राजकुमारी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। दुर्घटना के बाद अज्ञात वाहन को चालक मौके से लेकर फरार हो गया। मृतक चार भाईयों मे सबसे बड़ा था। मृतक अपने पीछे पांच पुत्रियों व एक पुत्र को निराश्रित छोड गया है।

खेत में जानवर चले पर मारपीट के दौरान मुकदमा दर्ज

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के खटकिन का पुरवा जनवामऊ में बुधवार की सुबह खेत में जानवर चले जाने पर उलाहना देने पर कहा सुनी के दौरान गिरजा देबी पत्नी गुरु प्रसाद सोनकर व राम अभिलास मौर्य से मारपीट होने लगी बीच बचाव करने आई गिरिजा देबी की बेटी शिवा भी आ गई मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को उपचार के लिए सीएचसी कालाकाकर भेजा। पुलिस ने गिरजा देबी की तहरीर पर राम अभिलास मौर्य, राहुल, उमा व सती के खिलाफ एससीएसटी का मुकदमा दर्ज किया।

जिले के 31 केंद्रों पर होगी सीटेट, शामिल होंगे 15 हजार परीक्षार्थी

सीबीएसई द्वारा बवतवदं के बाद पहली बार आफ लाइन टेस्ट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीटीईटी) 20 अगस्त को जिले के 31 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित किया जाएगा। यह परीक्षा कोरोना के बाद पहली बार सीबीएसई द्वारा आफ लाइन आयोजित की जा रही है। परीक्षा के लिए न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल को नोडल बनाया गया है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से 12 बजे तक प्राइमरी स्तर तथा दूसरी पाली में 2 बजे से 4.30 बजे तक जूनियर स्तर की परीक्षा होगी।

जिन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है उनमें न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल,संस्कार ग्लोबल स्कूल टेउंगा, संगम इंटरनेशनल स्कूल कटरा मेदनीगंज, बीएसएस एकेडमी फुलवारी, पं.नागेशदत्त पब्लिक स्कूल लालगंज, बीबीएस पब्लिक इंटर कालेज बरना,ब्रम्ह देवी शिव कुमार एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आत्रेय एकेडमी फुलवारी,सेंट जेवियर्स स्कूल पट्टी, डीके पब्लिक स्कूल हैं। इसके अलावा ब्रास इंटरनेशनल स्कूल,आइंस्टीन पब्लिक स्कूल,सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंड्री स्कूल, सेंट जेवियर्स स्कूल, केपी पब्लिक स्कूल,ईशान पब्लिक स्कूल, रायल इंटरनेशनल स्कूल शाहपुर नरायनपुर, सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल,जमुना मालती गुरुकुलम पब्लिक स्कूल, शांति पब्लिक स्कूल, एनबीएस पब्लिक स्कूल, एसएनएस पब्लिक स्कूल, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय नरायनपुर, एटीएल स्कूल भुपियामऊ, अमीर मेमोरियल सीनियर सेकेंड्री स्कूल, रायल पब्लिक स्कूल, शीतलमऊ मांटेसरी स्कूल, एनआरएस इंटरनेशनल स्कूल विश्वनाथगंज, बीएल सुधिता इंटरनेशनल स्कूल तथा जवाहर नवोदय विद्यालय शामिल हैं।

न्यू एंजिल्स स्कूल को नोडल सेंटर बनाया गया

प्रबंधक,न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल, डॉ शाहिदा ने बताया कि जिन विद्यालयों को सीटेट का केंद्र बनाया गया है, वहां केंद्र व्यवस्थापकों को नकल विहीन एवं शुचिता पूर्ण ढंग से परीक्षा कराने के निर्देश दिए गए हैं। सभी उम्मीदवार 18 अगस्त से ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर प्रवेश पत्र डाउन लोड कर सकेंगे।

घर में घुसकर विवाहिता के साथ छेड़छाड़

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सधई का पुरवा अस्थान गांव निवासी कंचन कुमारी ने पुलिस को दिये गए तहरीर मे शिकायत किया हैं कि मंगलवार की देर शाम लगभग साढ़े सात बजे गांव का एक युवक मेरे पति की गैर मौजूदगी मे मेरे घर मे घुस आया और मुझसे जोर जबरदस्ती के साथ छेड़छाड़ करने लगा मेरे विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने लगा और कहने लगा कि जैसा कहे वैसा करो नही तो तुमको पूरे गांव मे बदनाम कर दूंगा। पीड़िता घर पर अपने बच्ची के साथ अकेली रहती है जिससे डरी व सहमी हुई है। पुलिस ने तहरीर मिलने पर आरोपी को उसके घर से पकड़कर थाने ले गई जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करके न्यायालय भेज दिया।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अंतू के बाबूगंज बाजार निवासी बच्चा उमरवैश्य (36 वर्ष) प्रतिदिन की भांति आज भी अपने ठेले पर फल की दुकान को लगाने के लिए गया था, तभी अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गया जिससे वह बुरी तरह से झुलस गया। जिसे बाजार वासियों की मदद से आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संडवा चंद्रिका लाया गया जहां पर युवक की गम्भीर स्थिति को देखते हुए डाक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जहां बच्चा उमरवैष्य की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार के लोगों में कोहराम मच गया और बाबूगंज के सभी बाजार वासियों की आंखे नम हो गई जिससे सभी बाजार वासियों ने अपनी अपनी दुकानें बंद रखी।

बैनामे की जमीन पर आरोपीगण कर रहे जबरन कब्जा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बैनामे की जमीन पर जबरन आरोपी कब्जा कर रहे हैं। पीड़ित ने इस संबंध में थाने पर शिकायती पत्र दिया लेकिन कोई कार्यवाही ना होने पर जिला अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के बीरपुर खुर्द गांव के रहने वाले रामकुमार चैरसिया ने एक शिकायती पत्र पुलिस अधीक्षक तथा जिला अधिकारी प्रतापगढ़ पुलिस अधीक्षक को दिया जिसमे उसने आरोपित किया कि उसकी जमीन पर जिसका वह सहखातेदार है, उस पर आरोपी जबरन कब्जा कर रहे हैं। मना करने पर लड़ाई झगड़ा तथा फौजदारी करने पर उतारू हो जाते हैं।

पेड़ काटकर उठा ले गए आरोपी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली इलाके के गोटवा शेखपुर आधारगंज गांव में नीम का पेड़ पड़ोसियों ने काट कर उठा ले गए। पूछने पर जान से मारने की धमकी दी पीड़ित ने प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के गोठवा आधार गंज गांव के रहने वाले अमरनाथ शर्मा का आरोप है कि उसके दरवाजे के सामने 20 वर्ष पुराना नीम का पेड़ था। बुधवार की देर शाम बारिश के साथ तेज हवा के चलते अचानक गिर गया। आरोप है कि पड़ोसियों ने पेड़ों को काटकर उठा ले गए इसकी जानकारी होने पर पीड़ित पूछने के लिए गया तो वह तो लोग लाठी डंडा लेकर मारने पीटने के लिए दौड़ा लिया पीड़ित ने भागकर अपनी जान बचाई।

फरार चल रहे शराब तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

परियावां, प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल की कानून व्यवस्था को चाक चैबन्द बनाये रखने के लिए अपराधियों की धर पकड़ के दौरान हथिगवा थाना प्रभारी संतोष सिंह ने पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्र व क्षेत्राधिकारी कुंडा अजीत सिंह के निर्देशन मे मु0अ0 स० 50/21 धारा 420, 467, 468, 471, 272, 273 भादवि 60(क)60(2)63 आबकारी अधिनियम व धारा 63क कापी राईट व अधिनियम धारा 103,104 ब्यापार एव पणय वस्तु चिन्ह अधिनियम के अभियुक्त हरभजन उर्फ.पप्पू पुत्र श्यामलाल निवासी ग्राम झुकवारा थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ़ निवासी को गुरुवार की सुबह लगभग 10बजे मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के फूलमती मंदिर के पास गिरफ्तार किया जिसके खिलाफ नवाबगंज थाने मे विभिन्न धाराओं मे मुकदमा दर्ज है। अभियुक्त की लिखा पढ़ी करके न्यायालय भेज दिया।

खबर संक्षेप

भरवारी स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर रेल मंत्री को सांसद ने लिखा पत्र

भरवारी कौशाम्बी। रेलवे स्टेशन भरवारी में ट्रेनों के ठहराव के लिए बुधवार को पत्रकार राजू सक्सेना द्वारा सांसद विनोद सोनकर से मांग की गई थीं जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया था कि मैं जल्द ही रेल मंत्री से मिलकर भरवारी सहित जनपद वासियों के लिए ट्रेनों का ठहराव कराने का प्रयास करूंगा जिसको संज्ञान लेते हुए गुरुवार को रेल मंत्री से मिलकर सांसद ने ट्रेनों के भरवारी स्टेशन पर ठहराव के लिए पत्र दिया है सांसद ने कहा कि यथाशीघ्र भरवारी में ट्रेनों का ठहराव कर जनपद वासियों की सुविधा में चार चांद लगाने का कार्य करेंगे।

कुष्ठ रोग अधिकारी बने सीएमओ

कौशाम्बी। जिला कुष्ठ रोग अधिकारी कौशांबी आसाराम को मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोबा के पद पर स्थानांतरित करने का आदेश संयुक्त सचिव चिकित्सा अनुभाग अजीज अहमद ने जारी किया है तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीडीओ के निरीक्षण में खुली पोल दर्जनों कर्मी अनुपस्थित

विकास खण्ड कौशाम्बी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कनैली, पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय एवं बाल विकास पुष्टाहार कक्ष का किया आकस्मिक निरीक्षण, अनुपस्थित कार्मिकों का एक दिन का वेतन अवरूद्ध करने एवं स्पष्टीकरण देने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सीडीओ के निरीक्षण में सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति की पोल खुल गई है दर्जनों कर्मचारी ड्यूटी से गायब रहे जिससे सरकारी कार्य बाधित हो रहा है आम जनता कार्यालय पहुंचने के बाद न्याय के लिए दर दर की ठोकर खा रही है और मोटा वेतन लेने वाले कर्मचारी मौज मस्ती कर रहे हैं लगभग पूरे जिले के सरकारी अस्पताल विकास कार्यालय पशु अस्पताल बाल विकास पुष्टाहार कार्यालय कृषि विभाग बीज गोदाम कृषि रक्षा इकाई सहित विभिन्न कार्यालयों की स्थिति लगभग यही है मुख्य विकास अधिकारी डा0 रवि किशोर त्रिवेदी ने गुरुवार को विकास खण्ड कौशाम्बी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कनैली, पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय एवं बाल विकास पुष्टाहार कक्ष का निरीक्षण किया मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड कौशाम्बी के निरीक्षण के दौरान सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) जितेन्द्र शुक्ल, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) राजेश कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी भानु

मिश्र एवं बी0टी0 अरविन्द गुप्ता अनुपस्थित पाये गये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बाल विकास पुष्टाहार कार्यालय, कौशाम्बी के निरीक्षण के दौरान बाल विकास पुष्टाहार अधिकारी शिव कुमार मिश्र के अनुपस्थित पाये जाने पर अवगत कराया गया कि वे नेवादा का भी अतिरिक्त प्रभार देख रहें हैं, जिस पर तत्काल दूरभाष पर खण्ड विकास अधिकारी नेवादा से वार्ता कर उपस्थिति के सम्बन्ध में सत्यापन कराया गया, लेकिन शिव कुमार, बाल विकास पुष्टहार अधिकारी विकास खण्ड नेवादा में भी अनुपस्थित थे। बाल विकास पुष्टाहार कार्यालय में कार्यरत वाहिदा बानों मुख्य सेविका अनुपस्थित पायी गयी, लेकिन उपस्थिति पंजिका में छेदी लाल, चौकीदार द्वारा कूट रचना करके ह्यटूरह्न अंकित किया गया, जो अत्यन्त ही आपत्तिजनक है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि छेदी लाल, चौकीदार द्वारा किये गये इस कृत्य के सम्बन्ध में तत्काल अनुशासनात्मक कार्यवाही कर उन्हें अवगत करायें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कनैली के निरीक्षण के दौरान तैनात श्रीमती सुनीता देवी कृष्ण चन्द्र कर्दम सिंह, श्रीमती विजय लक्ष्मी, श्रीमती वन्दना सिंह तेज प्रताप एवं संजय कुमार सिंह अनुपस्थित पाये गये तथा बी0आर0सी0 कनैली निरीक्षण के समय जितेन्द्र मिश्र आशुतोष श्रीवास्तव अभिषेक सिंह एवं प्रदीप कुमार अनुपस्थित पाये गये। मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये गये कर्मिकों का दिनांक 03 अगस्त 2023 का वेतन अवरूद्ध करते हुए निर्देशित किया है कि अनुपस्थित के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण कार्यालयाध्यक्ष के माध्यम से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार उपस्थित रहे।

अफसर के चालक से खौफ खाते हैं राहगीर !

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिले के एक अफसर के चालक से इन दिनों सड़क पर राहगीर खौफ खाते हैं बेलगाम होकर अफसर का चालक सड़क पर वाहन दौड़ाता है अफसर के वाहन को देखकर लोग सड़क छोड़कर भाग जाते हैं बताया जाता है कि अफसर के वाहन को देखकर यदि लोगों के वाहनों में ब्रेक ना लग जाए तो सड़क पर बड़ी बड़ी दुर्घटना अफसर के वाहन से हो सकती है लेकिन उसके बाद भी अफसर ने अपने चालक की नकेल नहीं कसी है अफसर के लिए भी यह चालक मुसीबत बन सकता है लेकिन आने वाली मुसीबत से शायद अफसर भी अनजान हैं जिससे चालक भी बेलगाम है लेकिन मजाल है कि थाना पुलिस और यातायात पुलिस अफसर के बेलगाम चालक पर कार्यवाही कर सकें ताजा मामला गुरुवार को फिर देखने को मिला है सिराथू तरफ से आ रहा अफसर का वाहन संख्या यूपी 73 ए 8320 सफेद बोलेरो वाहन में उत्तर प्रदेश सरकार लिखा था सिराथू तरफ से आ रहा अफसर का तेज गति यह बोलेरो वाहन जैसे ही मंझनपुर चौराहे पर पहुंचा चालक ने तेजी से वाहन को आधे चौराहा होते हुए कोतवाली की तरफ मोड़ दिया चौराहे पर भीड़ भाड़ भी लोगों को अपने वाहनों में आपात ब्रेक लगानी पड़ी तेजगति देखकर लोग सहम गए अफसर का वाहन निकल गया अफसर का वाहन विकास भवन पहुंच गया और अफसर मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय पहुंच गए यह अफसर कौन थे यह जानकारी नहीं मिल सकी लेकिन अफसर के चालक के कारनामे की चर्चा चौराहे पर होती रही।

बीएसए के निरीक्षण में विद्यालय में लटकता मिला ताला

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। परिषद विद्यालयों के अधिकांश शिक्षक शिक्षण कार्य छोड़ विद्यालय से नदारत रहते है जिससे सरकार के तमाम कोशिशों के बाद भी परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण गुणवत्ता में सुधार नहीं हो रहा है। प्रयागराज में रहकर कौशांबी की नौकरी करने वाले शिक्षक समय से डेढ़ घंटे विलंब विद्यालय पहुंचते हैं और विद्यालय बंद होने से एक घंटे पहले ही स्कूल बंद करके वापस इलाहाबाद चले जाते हैं मंझनपुर से चलने वाली बस में रास्ते के पड़ने वाले परिषदीय विद्यालय के शिक्षक सवार होते जाते हैं सभी विद्यालय दस 10 मिनट के अंतराल में बंद होते जाते हैं और बस का इंतजार करने के लिए शिक्षक सड़क पर पहुंच जाते हैं ऐसा ही नजारा बुधवार को मूरतगंज ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय पैगम्बरपुर में औचक निरीक्षण के दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी को देखने को मिला है। जबकि खंड शिक्षा अधिकारी विद्यालय की स्थिति बारे में ऑल इज वेज लिख कर अधिकारियों को गुमराह कर रहे हैं बीएसए कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा बुधवार की दोपहर 1:45 बजे विद्यालय में

एबीएसए बता रहे आल इज वेल
बीएसए ने रोका वेतन,मांगा स्पष्टीकरण
बीएसए के लगातार निरीक्षण के बाद भी लापरवाह शिक्षकों की आदत में सुधार होता नही दिख रहा है

औचक निरीक्षण को पहुंचे तो स्कूल के गेट में ताला लटकते हुए मिला है। बीएसए ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ किया तो ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय हमेशा एक से डेढ़ घँटे लेट खुलता है,साथ ही एक घण्टा पहले बन्द हो जाता है। बीएसए ने प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक व शिक्षामित्र का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। साथ ही हफ्तेभर के अंदर पूरे स्टाफ का स्पष्टीकरण मांगा है। मूरतगंज ब्लाक में तैनात खण्ड शिक्षाधिकारी केवल कार्यालय में ही बैठकर फर्जी कागजी कोरम पूरा कर रहें है। जबकि इलाके में परिषदीय विद्यालय में शिक्षक मनमाने तरीके से विद्यालय से नदारत रहते है। इसका खुलासा लगातार बीएसए के निरीक्षण में हो रहा है। बुधवार को बीएसए कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा ने मूरतगंज ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय पैगम्बरपुर का औचक निरीक्षण किया। आरोप है कि विद्यालय बन्द होने के समय से पहले ही गेट में ताला बंद कर पूरा स्टाफ गायब था। हालांकि यह पहला मामला नहीं है इसके पहले भी दर्जनों विद्यालय से बीएसए को शिक्षक नदारत मिल चुके है। बीएसए के लगातार निरीक्षण के बाद भी लापरवाह शिक्षकों की आदत में सुधार होता नही दिख रहा है।

सिराथू पुलिस चौकी के सामने से बाइक चोरी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। पुलिस किस कदर से उदासीन लापरवाह बनी हुई है कि अब चोर उचक्के को थाना और पुलिस चौकी के सामने भी घटनाओं को अंजाम देने में भय नहीं लगता है लेकिन उसके बाद भी लापरवाह पुलिसकर्मियों के बारे में अफसर उनकी वीरता का ढिंढोरा पीटते हैं। ताजा मामला सैनी कोतवाली के सिराथू पुलिस चौकी के सामने का है जहां रामपुर धमावा के मजरा सरैया के दीपांशु मौर्या की बाइक पुलिस चौकी के सामने रेस्टोरेंट पर खड़ी थी पुलिस चौकी के सामने से बाइक को बेखौफ चोर उठा ले गए हैं लेकिन घटना को 18 घंटे बीत जाने के बाद पुलिस घटना का सुराग रसी नहीं लगा सकी है इतना ही नहीं मामले में मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है पुलिस चौकी के सामने से चोरी की घटनाएं होने के बाद सिराथू चौकी पुलिस की सक्रियता की पोल खुल गई है एक तरफ अफसर कहते हैं कि पुलिस हमेशा मुस्तैद रहती है लेकिन सिराथू पुलिस चौकी के सामने बाइक चोरी की घटना के बाद पुलिस की मुस्तैदी की पोल खुल गई है सवाल उठता है कि चोर उचक्कों का इतना साहस कैसे हो गया कि वह पुलिस चौकी के सामने भी घटना को बेखौफ तरीके से अंजाम देने में भय नहीं खाते हैं उन्हें कहां से ऊर्जा मिलती है पुलिस अफसरों के लिए चौकी पुलिस की लापरवाही बड़ा मंथन का विषय है।

बाजार गई छात्रा रहस्यमय परिस्थितियों में गायब

चायल कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव की एक छात्रा बुधवार 2 अगस्त को दोपहर बाद चायल बाजार कपड़ा खरीदने के गयी थी लेकिन कपड़ा खरीदने के बाद छात्रा घर वापस नहीं पहुंची है जिससे परिजन परेशान हो गए हैं संभावित स्थानों पर परिजनों ने बालिका की काफी खोजबीन की है लेकिन बालिका का कहीं सुराग नहीं लगा है मामले की सूचना 03 अगस्त को परिजनों ने स्थानीय पिपरी पुलिस को दिया है पुलिस छात्रा को खोजने का प्रयास कर रही है लेकिन खबर लिखे जाने तक गायब छात्रा का सुराग नहीं लग सका है।

त्रिमासिक योग प्रशिक्षण शिविर का 7 अगस्त से होगा आयोजन

कौशांबी। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा त्रिमासिक योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जनपद के श्री दुर्गा देवी संस्कृत उ. मा. विद्यालय मंझनपुर में 7 अगस्त से प्रारंभ होगा। केंद्राध्यक्ष डॉ. रवींद्रनाथ शुक्ल ने बताया कि संस्थान द्वारा हमारे यहां तीन प्रशिक्षकों की नियुक्ति हुई है जिनमे योग प्रशिक्षण संस्कृत संभाषण और पौरोहित्य प्रशिक्षण का आयोजन लगातार चल रहा है। योग प्रशिक्षण शिविर का यह 9 वीं बार आयोजन हो रहा है। इस शिविर का संचालन योग प्रशिक्षक कमल नयन मिश्र द्वारा होगा जिसमें 40 छात्रों को प्रशिक्षित किया जायेगा। डॉ. रवींद्रनाथ शुक्ल ने संस्कृत संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव और अपर मुख्य सचिव जितेंद्र कुमार का आभार व्यक्त किया।

5 अगस्त को होगा अखिल विश्व गायत्री परिवार की संगोष्ठी का आयोजन

कौशांबी। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के संस्थापक युग ऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के विचारों को जन जन तक पहुंचाने हेतु संपूर्ण विश्व में विचार क्रांति अभियान युग निर्माण योजना आदि जैसे अनेक अभियान संचालित हो रहें हैं गायत्री परिवार का प्रमुख उद्देश्य हैं धरती पर स्वर्ग का उदय एवं मनुष्य में देवत्व का उदय। शांतिकुंज के तत्वधान में 5 अगस्त को इंद्र वाटिका अतिथि गृह भरवारी रोड करारी में होने वाली संगोष्ठी में शांतिकुंज के प्रतिनिधि व उपजोन प्रभारी वाराणसी के श्रीमान सिंह शामिल होंगे साथ में गायत्री शक्तिपीठ चित्रकूट के प्रभारी डॉ.राम नारायण त्रिपाठी भी अपने वक्तव्य रखेंगे। जनपद व्यवस्थापक घनश्याम सिंह व युवा प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ. ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने यह जानकारी दी है और बताया कि संगोष्ठी में सैकड़ों गायत्री परिजन शामिल होने का आह्वान किया गया है।

जिला पंचायत की 05 अगस्त को होने वाली बैठक स्थगित

कौशाम्बी। अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत ने समस्त सम्बन्धित जनप्रतिनिधिगणों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को सूचित किया है कि जिला पंचायत, कौशाम्बी की दिनांक 05 अगस्त 2023 को होने वाली बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है तथा भविष्य में होने वाली बैठक की सूचना पृथक से दी जायेंगी।

ज्वार बाजरा खरीद के लिए एडीएम प्रभारी अधिकारी नियुक्त

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने शासन के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत कृषकों से सीधे ज्वार बाजरा क्रय किये जाने के लिए अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) को प्रभारी अधिकारी, ज्वार बाजरा खरीद नियुक्त किया है। अपर जिलाधिकारी अपने निर्देशन में उ0प्र0 शासन स्तर से निर्गत होने वाली ज्वार बाजरा क्रय नीति 2023-24 में दी गई व्यवस्थानुसार ज्वार बाजरा खरीद सम्पादित करायेंगे। अपर जिलाधिकारी के कार्यालय का दूरभाष नम्बर05331232796 एवं 9454417590 है।

पारिवारिक कलह के चलते महिला ने जहर खा कर दी जान

महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में खाया जहर, हुई मौत,परिजनों में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली के अझुवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कमालू टायर वाले के सामने दूसरी पट्टी पर एक महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में गुमटी के नीचे शव मिला है सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे गुमटी के नीचे महिला के शव मिलने से हड़कंप मच गया जानकारी मिलने पर मौके पर राहगीरों की भीड़ लग गई महिला की शिनाख्त सैनी कोतवाली के लोंहदा गांव निवासी लक्ष्मी चंद्र गुप्ता की पत्नी मुन्नी गुप्ता 50 वर्ष के रूप में हुई है मौके पर पहुंचे परिजनों के अनुसार आज सुबह घर में पारिवारिक विवाद हुआ था महिला सुबह घर से निकल गई थी ,महिला के शव के पास सलफास की पुड़िया मिली है आज दोपहर कुछ लोगों ने महिला को उल्टी करते देखा था गांव में महिला परचून की दुकान चलाती थी मृतक महिला के चार पुत्रियां थीं सभी की शादी हो गई थी 2 लड़के हैं जो मुंबई में रहते हैं मृत महिला अपने छोटे लड़के विनोद कुमार के साथ रहती थी महिला के मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

नदी में डूबे युवक की दूसरे दिन मिली लाश

हर्रायपुर कौशांबी। सांदीपन घाट थाना क्षेत्र के सैयद सरावा निवासी नागेश्वर यादव उम्र 18 वर्ष पुत्र बीरेंद्र यादव बुधवार को गंगा स्नान के दौरान उजिहनी फरीदपुर चक ताजपुर गंगा घाट में गहरे पानी में चले गए थे जिससे वह डूब गए थे मल्लाहो और गोताखोरों की मदद से पुलिस ने उनकी खोजबीन की थी लेकिन बुधवार को उनका कहीं पता नहीं चल सका गुरुवार की सुबह नदी से उनकी लाश मिली है लाश मिलने की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सर्प दंश से युवक की मौत, कोहराम

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के औधन गांव मे गोरे लाल उम्र 14 वर्ष पुत्र ननकू लाल की बीती रात घर मे सोते समय लगभग दो बजे जहरीला सांप ने काट लिया सुबह होते ही परिजन झाड़ फूक को लेकर गये जहां पर उसकी मौत हो गई घर आने पर घर मे कोहराम मच गया आपदा सहायता के लिये लेखपाल व कानूनगो ने लिखा पढ़ी कर लिया है वहीं चौकी पुलिस को सूचना दी गई चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लिखा पढ़ी कर लाश को पोस्ट मार्टम के लिये भेज दिया।

न्यूज झरोखा

छप्पर नुमा घर से बदमाशों ने गहना रुपया किया पार

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के मूंगहरी गांव में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने छप्पर नुमा मकान में घुसकर गहने और जेवर चुरा कर फरार हो गए हैं मुंगहरी गांव के रहने वाले मोहम्मद

अजीज उर्फ गुड्डू ने बताया कि उसके बेटी की सगाई 7 अगस्त को है इसके लिए उसने दिन-रात मजदूरी कर कर्ज लेकर पाई पाई इकट्ठा कर जेवर और नगद 50 हजार रुपए अपने घर में रख रखा था बीती रात अज्ञात बदमाशों ने उसके मकान में घुसकर जेवर और 50 हजार नगदी लेकर फरार हो गए हैं सुबह घटना की जानकारी मिली तो परिजनों का रोना पीटना शुरू हो गया मोहम्मद अजीज ने सैनी कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

मवेशी को बांधकर किसानों ने बेरहमी से पीटा

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के समसपुर गांव सहित लगभग पूरे जिले के किसानों के खेतों की फसल को आवारा छुट्टा मवेशी बर्बाद कर रहे हैं जिससे किसान परेशान हैं शिकायत करने के बाद भी

पशु विभाग के अधिकारियों समेत गौ संरक्षण केंद्र के जिम्मेदार आवारा पशुओं के विचरण पर रोकथाम नहीं लगाते हैं गुरुवार को फिर आवारा छुट्टा पशु समसपुर के किसानों के खेत की फसल बर्बाद कर रहे थे जिससे आक्रोशित किसानों ने आवारा पशु को रस्सी से बांध दिया और बेरहमी से लाठियों से पिटाई की है आखिर सरकार के निर्देश के बाद भी आवारा पशुओं पर रोकथाम अधिकारियों द्वारा क्यों नहीं लगाई जाती है किसानों को खुद क्यों जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है यह तमाम सवाल सरकार के आदेशों के न लागू होने पर खड़े हो रहे हैं

सीसीटीवी कैमरा लगने से नियंत्रण होगा अपराध : एसपी

कौशाम्बी। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी ने सभी थानेदारों के समक्ष अपने-अपने क्षेत्र के सभी नगर पंचायत अध्यक्ष, सभासद, ग्राम प्रधान, व्यापारियों की मौजूदगी में अपराध को रोकने के लिए चौराहे, मुख्य मार्ग, दुकानो में सी० सी० टीवी कैमरा लगवाने

के लिए अपील किया। उन्होंने कहा कि सी० सी० टीवी कैमरा लगने से अपराध नियंत्रण किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी ने सभी थानेदारों को निर्देशित किया कि अपने - अपने थाना क्षेत्र में नगर पंचायत अध्यक्ष, सभासद, ग्राम प्रधान, व्यापारियों से मिलकर प्रमुख चौराहों, मार्गों व दुकानों में सी० सी० टीवी कैमरा लगवाने के लिए लोगों से मिल कर जागरूक करें पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पूरे जिले के थाना पुलिस ने अपने अपने क्षेत्र के व्यापारियों संभ्रांत लोगों के साथ बैठक कर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की है

सीसीटीवी कैमरा लगाने की सीओ ने की अपील

चायल कौशाम्बी थाना पिपरी में सी ओ चायल ने व्यापारियों, ग्राम प्रधानों, व अस्पताल संचालको के साथ बैठक कर सीसीटीवी कैमरा लगाने की अपील की उन्होंने कहा कि गांव में हो रहे चोरियां व अन्य गतिविधियों पर सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से नजर रक्खी जा सकती है।

चौराहे एवं कस्बे में सीसी टीवी कैमरा लगवाने की अपील

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना प्रभारी दिलीप कुमार सिंह ने गुरुवार को थाना में ग्राम प्रधान पार्षद वा ब्यापारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि चौराहे कस्बे बाजार में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे

लगाए जाएं उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने से अपराध की घटनाओं में खुलासे पर सहयोग मिलेगा जिससे अपराधी अपराध करने से भय खाएगा हर चौराहे हर कस्बे में सीसी टीवी कैमरा लगवाने की अपील उन्होंने उपस्थित लोगों से की बैठक के दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को यातायात के नियमों के बारे में बताया व नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया इस इस मौके पर कई ग्राम प्रधान पार्षद व हर्रायपुर चौकी प्रभारी अनुराग सिंह मौजूद रहे।

हाथ पैर बांधकर बेरहम बाप ने बेरहमी से बेटे को पीटा

कौशाम्बी चरवा थाना के उदाथू गढवा गांव मे बाप ने अपने किशोर बेटे का हाथ पैर बांध कर लाठी से बेरहमी से जमकर मारा पीटा है बेरहम बाप की पिटाई से किशोर चिल्लाता रहा लेकिन जल्लाद बाप पर बेटे के चिल्लाने का कोई असर नहीं

पड़ा और वह अपने बेटे को लाठियों से बेरहमी से पीटता रहा देखने वालों की रूह कांप गई है इस हमले में बेटे को गंभीर चोटें आई हैं जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस पहुँची है और बेटे के हाथ पैर में बंधी रस्सी को खोलकर आजाद कराया है जल्लाद बाप को पुलिस ने हिरासत मे ले लिया है।

सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर करारी थाना में हुई बैठक

करारी कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में करारी थाना प्रभारी शियाकांत चौरसिया ने क्षेत्र के ग्राम प्रधान, सभासद नगर पंचायत अध्यक्ष, व्यापारी शराब के ठेकेदार मोबाइल टॉवर धारक, विद्यालय के प्रबंधकों के साथ गुरुवार को एक

बैठक आहूत किया जिसमें उन्होंने सभी संभ्रांत लोगों से सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए अपील किया। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को करारी थाना प्रभारी ने क्षेत्र के संभ्रांत लोगों के साथ एक बैठक किया जिसमें उन्होंने सभी लोगों से बढ़ते अपराध और चोरी से नियंत्रण पाने के लिए सार्वजनिक स्थानों , दुकानों , विद्यालयों , कॉलेजों , गांवों एवं चौराहों पर सभी जगह सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए अपील किया उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरा लगाने से बढ़ते अपराध और चोरी से आसानी से निजात पाया जा सकता है। इस बैठक में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हुबलाल दिवाकर , मदर इंडिया प्रधानाचार्य सरफराज हुसैन , बृजेश अग्रहरी उर्फ पिंटू एवं रिजवी कॉलेज के अध्यापक आदि संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

सहिष्णुता के टानिक से ही संभव है समाज व देश का उन्नयन

मानवता का श्रेष्ठतम गुण है-'साम्प्रदायिक सद्भाव।' वास्तव में, यही वह गुण है जो मानव को आपसी भाईचारे, शांति,संयम और आपसी सौहार्द से रहना सिखाता है। सच तो यह है कि यह भाव मानव में आपसी बैर-भाव ,शत्रुता, आपसी दुर्व्यवहार ,दुर्भाव, दुश्मनी, ईर्ष्याओं, आपसी वैमनस्यता आदि को दूर करता है और मानव में श्रेष्ठ गुणों का विकास करता है, लेकिन दुखद पहलू यह है कि आज के इस भौतिकवादी और पदार्थवादी युग में आम आदमी विभिन्न मानसिक तनावों, अवसाद आदि से ग्रस्त होता चला जा रहा है और आज समस्त दुनिया में आतंक, भय, अराजकता और खौफ का माहौल फैला हुआ है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में सत्ता,लालसा,धर्म विद्वेष जैसे मुद्दे गंभीर रूप में मानवजाति के लिए एक बड़ी चुनौती बने हुए हैं लेकिन मानव जाति के कल्याण, उद्भव, विकास और उत्थान के लिए आपसी सौहार्द या सद्भाव का होना आज के समय में अत्यंत आवश्यक व जरूरी है।

यह बहुत ही संवेदनशील और गंभीर है कि भारत में ही नहीं बल्कि आज समस्त दुनिया में आज का माहौल बहुत ही अशांत बना हुआ है। आज व्यक्तिझ्व्यक्ति के बीच प्रेम,आदर, आपसी सम्मान भाईचारा, सद्भाव, शांति,संयम, आपसी सौहार्द जैसे भाव लगातार लुप्त होते नजर आते हैं। छोटी-छोटी बातों को लेकर संघर्ष विवाद, झगड़े फसाद आदि होते रहते हैं। हमें यह बात ध्यान में रखने की जरूरत है कि जाति, वर्ण, संप्रदाय, भाषा के नाम पर होने वाला संघर्ष संपूर्ण मानव जाति का संहार कर सकता है। अतः हर मनुष्य का मन और आत्मा शुद्ध , निर्मल ,प्रेम तथा सद्भाव से पूर्ण होनी चाहिए। अब देखिए न आज देश की फिजाओं में जहर घोला जा रहा है। पिछले कुछ समय से देश में जो भी घटनाएं घटित हो रही हैं वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ ही अफसोसनाक भी हैं। हमारे देश की संस्कृति, हमारे देश के संस्कार ऐसे नहीं हैं। बहुत अफसोसनाक है कि आज 'हेट स्पीच' फैलाई जा रही है। अपने स्वार्थों और लालच को पूर्ण करने के लिए कुछ लोग 'हेट स्पीच' को एक हथकंडे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। मणिपुर में जो हुआ और हाल ही में हरियाणा के नूह में जो हुआ वह बहुत ही दुखद होने के साथ साथ संपूर्ण भारत को शर्मिन्दा करता है। मणिपुर में महिलाओं के जो नग्न व हिंसक विडियो सामने आये और हरियाणा के नूह क्षेत्र में एक धार्मिक यात्रा को लेकर दो संप्रदायों में हुई रक्तिम झड़पें क्या यह नहीं दशार्ती हैं कि हम हमारे संस्कारों, हमारी सनातन संस्कृति से कहीं न कहीं दूर जा रहे हैं। भारत तो 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमन्ते तत्र देवता' की अवधारणा में विश्वास करने वाला, नारी को शक्ति के रूप में मानने वाला देश रहा है लेकिन मणिपुर में महिलाओं का अपमान और हरियाणा के नूह में रक्तिम झड़पें तो यही साबित करतीं हैं कि आज देश और समाज के माहौल को बहुत ज्यादा प्रदूषित कर दिया गया है। आज धर्म, सम्प्रदायों,जाति और समुदायों के नाम पर लोगों को असामाजिक तत्वों द्वारा विभाजित किया जा रहा है। क्या भारत जैसे दुनिया के बड़े लोकतांत्रिक देश के यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति नहीं है ? साम्प्रदायिक नफरत का बोलबाला आखिर क्यों और किसलिए ? क्या यह वही देश है जो अपनी पंथनिरपेक्षता, विविधता में एकता, संस्कृति के लिए जाना जाता है ? दंगाईयों, शरारती और असामाजिक तत्वों की इतनी हिम्मत आखिर कैसे हो गई कि वे संपूर्ण देश की फिजाओं में जहर घोल पाने में सफल हो पा रहे हैं ? हरियाणा की साम्प्रदायिक हिंसा में अब तक छह लोग मारे जा चुके हैं और मणिपुर का हाल देश को पता ही है कि मणिपुर पिछले काफी समय से नफरत और हिंसा की आग में जल रहा है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी देश में हो रही हिंसा व नफरत फैलाने की घटनाओं पर संज्ञान लिया है और केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश दिए हैं कि ना हेट स्पीच हो और न ही हिंसा हो। हालांकि केंद्र सरकार और राज्य सरकारें दंगाइयों, असामाजिक तत्वों, शरारती तत्वों के खिलाफ कड़े व सख्त एक्शन ले रही है लेकिन शांति सद्भाव, सौहार्द, आपसी भाईचारा को आखिर मानव यकायक भूल क्यों गया है ? क्या यह भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य संस्कृति का सीधा प्रभाव है ?

हम अपनी सनातन व प्राचीनतम संस्कृति, संस्कारों को आखिर क्यों छोड़ रहें हैं, इसके पीछे मूल और प्रमुख कारण आखिर क्या हैं ? वास्तव में, हमें इन सब कारणों को खोजने की और इन पर घोर चिन्तन मनन करने की जरूरत और आवश्यकता है। कबीर जी ने कहा है कि, 'हरिजन ऐसा चाहिए, हरी ही जैसा होय।' वास्तव में यदि ऐसा होता है तो समस्त दुनिया में सब एक से हो जाएंगे। किसी के मन में एक दूसरे के प्रति द्वेष , ईर्ष्या का बहाव नहीं रहेगा । कबीर के इस सांप्रदायिक सौहार्द ह्लको लेकर ही हमें भी क्या आज नहीं चलना चाहिए ? सांप्रदायिक सौहार्द आज के समय की एक बड़ी आवश्यकता है। हमें एक-दूसरे के प्रति सौहार्द भाव रखना चाहिये। सभी संप्रदायों /धर्मों को एक मानना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। सच तो यह है कि हम सभी को मानव कल्याण की बात हमेशा सोचनी चाहिए और अपने स्वार्थों, अपने लालच को दूर रखना चाहिए। मानव के स्वार्थ और लालच की कोई भी सीमा नहीं है। हमें किसी धर्म विशेष, सम्प्रदाय व समुदाय विशेष के प्रति कट्टरता का हर हाल में त्याग करना चाहिए। एक-दूसरे के त्योहारों को मिल-जुलकर मनाना चाहिए, जिससे आपसी दूरी कम हो जाए।अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए किसी भी व्यक्ति को किसी भी धर्म के विरुद्ध भड़काऊ भाषण या हेट स्पीच नहीं देनी चाहिए। इस दुनिया में प्यार, अपनत्व फैलाने की जरूरत है, नफरत की जरूरत नहीं है। नफरत सबकुछ बर्बाद कर देती है। जातीयता, धर्म, विश्वास, मूल्यों आदि के आधार पर राज्यों (लोगों, लोगों या समुदायों के समूहों) के बीच विभाजन किसी भी हाल व परिस्थितियों में ठीक नहीं है। भारत एक विविध देश है, यह अनेक धर्मों और सम्प्रदायों, जातियों , समुदायों का घर है। भारत के संविधान में उल्लेख किया गया है कि भारत एक पंथनिरपेक्ष देश है जिसका अर्थ है कि इसके लोग अपनी पसंद के विश्वास का अभ्यास और दावा कर सकते हैं।

केजरीवाल क्यों रहे असफल सम्पूर्ण विपक्ष को जोड़ने में

अशोक भाटिया

दिल्ली सेवा बिल के मुद्दे पर केंद्र सरकार को समर्थन देने का फैसला कर चुकी जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस के फैसले पर आम आदमी पार्टी तो सवाल खड़ा कर ही रही हैएवहीं कांग्रेस को भी जगन का ये फैसला नागवार गुजर रहा है। बीजू जनता दल को लेकर यह आशंका पहले से ही थी कि वे अध्यादेश के पक्ष में खड़े होंगे लेकिन जगन मोहन रेड्डी ऐसा करेंगेए इस पर कांग्रेस के रणनीतिकार भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

जगनमोहन रेड्डी की पार्टी की तरफ से जब यह संकेत दिया गया कि अध्यादेश के मसले पर उनकी पार्टी सरकार के साथ खड़ी होगी तो आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने जुबानी तीर चलाये और कहा कि ए शिदल्लीवाले सीएम अरविंद केजरीवाल से बहुत प्यार करते हैंए इसलिए ही 10 साल से उन्हें हर बार वोट देते आए हैं। ये राष्ट्र विरोधी बिल हैए जो इस बिल के समर्थन करेंगेए देश उन्हें राष्ट्र विरोधी के नाम से याद रखेगा। जो बिल के खिलाफ हैं वो देशभक्त कहलाएंगे। श्लेकिन राघव के देशभक्ति का यह पाठ न तो वाईएसआर कांग्रेस को समझ आया और न ही बीजू जनता दल को और दोनों दलों ने सरकार के साथ खड़ा होना तय किया।

इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने मोर्चा संभाला है। पूर्व वित्त मंत्री ने बीजड और वाईएसआर कांग्रेस से पूछा है कि उन्हें इस बिल में क्या अच्छा लगाघ इतना ही नहींए चिदंबरम ने दोनों पार्टियों को टैग करके एक ट्वीट में एक के बाद एक कई सवाल पूछे हैं।

चिदंबरम कहते हैं कि मैं दिल्ली सेवा प्राधिकरण विधेयक का समर्थन करने वाले भाजपा सांसदों को समझ सकता हूं लेकिन मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि बीजद और वाईएसआरसीपी पार्टी को को विधेयक में क्या चीज अच्छी लगीघ क्या दोनों दलों ;ओडिशा और आंध्र प्रदेश में रूलिंग पार्टीद्ध को 3 सदस्यीय प्राधिकरण में यह ठीक लग रहा है जहां मुख्यमंत्री केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त दो अधिकारियों के मुकाबले सिर्फ एक होगाघ क्या उन्हें उस प्रावधान में अच्छाई दिख रही है जहां दो अधिकारी फोरम का गठन कर सकते हैं और बैठक आयोजित कर सकते हैं और मुख्यमंत्री की भागीदारी के बिना निर्णय ले सकते हैंघ्

चिदंबरम ने यह भी कहा है किए ष्क्या उन्हें उस प्रावधान में अच्छाई दिख रही है जहां दो अधिकारी मुख्यमंत्री को खारिज कर सकते हैंघ क्या उन्हें उस प्रावधान में अच्छाई दिख रही है जहां लेफ्टिनेंट गवर्नर प्राधिकरण के सर्वसम्मत निर्णय को भी खारिज कर सकते हैंघ इतना ही नहीं एपूर्व वित्त मंत्री ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि क्या उन्हें उस प्रावधान में अच्छाई दिख रही है जो केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार के मंत्रियों को छोड़कर दिल्ली सरकार में काम करने वाले अधिकारियों की शक्तियों और कर्तव्यों को परिभाषित करने का अधिकार देता हैघ क्या दोनों पार्टियों को यह एहसास हो गया है कि यदि विधेयक पारित हो गया तो अधिकारी मालिक होंगे और मंत्री अधीनस्थ होंगे घ्

बड़ी बात ये है कि विपक्ष नीत पूरा ण्छ्ण्क्ण्ण्। इस मसले पर केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के साथ खड़ी नजर आ रही है और दावा है कि राज्यसभा में सरकार का अध्यादेश गिर जायेगा। लेकिन बीजद और वाईएसआर कांग्रेस के इस बदले हुए रूख से इंडिया के रणनीतिकारों को इस मसले पर सरकार को घेरने की रणनीति पर बट्टा लगता दिख रहा है हालाकि इस मसले पर कांटे की टक्कर होने वाली है।

दरअसल पूरी बात को समझने के लिए सबसे पहले समझना ये चाहिए कि जो लॉन्ग टर्म 2024 के चुनाव हैंए उस पर इसका असर होने वाला है। एक तो ये जान लेना जरूरी है कि ये जो पार्टियां हैं वायएसआर की पार्टीए नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और टीडीपीए इन तीनों पार्टियों को ण्छ्ण्क्ण्ण्। अलायंस के साथ लाने का कोई चांस नहीं है।

कोशिश भी हैए तो वो खत्म हो जाएगी। इसका दूसरा और अर्थ ये है कि केजरीवाल और केसीआर की पार्टी मिलकर एक थर्ड फ्रन्ट बनाना चाहते थे. नॉन कांग्रेसए नॉन बीजेपी। उसके भी चांसेस अब खत्म हो गए हैं क्योंकि केजरीवाल को समर्थन नहीं देने के बाद बीआरएस उनको समर्थन देने वाली हैए ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है। वैसे उसका क्लियर स्टेटमेंट आया नहीं है। जो बिल लाया जा रहा हैए उसके विरोध में मतदान करने वाली है बीआरएस।

अब दो चीजें साफ हो गईं कि किसी भी हालत में ओडिशा और आंध्र प्रदेशए ये फॉर्मली अगर एनडीए नहीं भी जॉइन करते हैं तो 2024 के इलेक्शंस में दोनों की एक समझौता होगा ।दोनों जगहों पर कांग्रेस ही अपोजिशन में मेजर पार्टी है। अब कांग्रेस को अकेले इन लोगों से मुकाबला करना पड़ेगा। बीजेपी और बीजेडी कंबाइंड और वायएसआर और बीजेपी कंबाइंडी से इनको उस समय लड़ना पड़ेगा। टीडीपी तो वायएसआर के साथ तो नहीं आ सकती। अब उस समय उसका क्या हालात बनता हैए लेकिन अंत में एक समझौता रहेगाए उनके खिलाफ कांग्रेस को अकेले लड़ना है।

इसके आलावा ये अप्रत्याशित नहीं है क्योकि एक तो बीजू जनता दल 2009 में ही एनडीए से अलग हुई है और 2019 में उन्होंने अश्विनी वैष्णव को जबकि वहां उनकी जीत हो रही थीए विधान सभा में पर्याप्त वोट थे जिससे कि राज्य सभा में अपने कैंडिडेट्स को भेज सकते थेए और बीजेपी के पास कम सीटें थींए लेकिन उन्होंने सपोर्ट किया और उनको राज्य सभा में जाने दिया और प्रेजिडेंट और वाइस प्रेजिडेंट्स के इलेक्शंस में भी उन्होंने इनके पक्ष में वोट किया। यही वायएसआर ने भी किया। दोनों पार्टियों ने इनके पक्ष में वोट किया। तो बीजेपी ओडिशा और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की जगह लेना चाहती है और उनको बदल करके वायएसआर से उनको फाइट भी दिखाना है लेकिन ऑर्डिनेंस के बाद बिल में उनका समर्थन करने से ये एक्सपोज हो गए। तो अब जो दृष्य बनेगाए उसमें एक.दूसरे का विरोध दिखलाना मुश्किल है। जून में ही जब अमित शाह आंध्र प्रदेश के दोरे पर गए थेए तब उन्होंने वायएसआरसीपी को जमकर अटैक किया था और कहा कि करप्ट पार्टी हैए आंध्र प्रदेश करप्शन का अड्डा बन गया है। हमलोग सेंट्रल से जो लाखों.हजारों करोड़ का फंड देते हैंए वो कहां गयाघ तो ये सब एलिगेशंस लगाए उन्होंने लेकिन इंटरेस्टिंगली वायएसआर की पार्टी नेए जगनमोहन रेड्डी ने उनके खिलाफ उस तरह के बयान नहीं दिए। ये तो अपेक्षित था। एक फैक्टर ये रखना चाहिए कि वास्तविक राजनीतिक अथवा जिसको बोलते हैंए व्यवहारिक राजनीतिए उसके हिसाब से ये जो रिजनल पार्टीज हैं उनको केंद्र सरकार की जरूरत पड़ती है। बहुत प्रकार के फंड्स मिले हैं बीजेडी को भी और आंध्रा को भी। आंध्रा को नया कैपिटल बनाना थाए उसके लिए।

दूसरा ओडिशा में जो साइक्लोन आयाए डिजास्टर या दूसरे जो प्रोग्राम्स हैंए उनके लिए भी केंद्र सरकार ने सहायता दिया हैए ऐसा माना जाता है। बाकी नॉन बीजेपी रूल्ड स्टेट में सेंट्रल ने नहीं दिए हैंए उस हिसाब से इनको दिया है। वो एक वास्तविक राजनीति है। लेकिन एक चीज और है कि दोनों पार्टियों का सही और विकास या जो मुख्य कारण रहा हैए

सवाल यह भी उठता है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने देशभर में घूमकर विपक्षी दलों को अपने साथ लाने की इतनी जद्दोजहद की। कांग्रेस ने अपना रुख साफ करने में वक्त लियाए पर अब भी उसकी पंजाब और दिल्ली यूनिट आम आदमी पार्टी का साथ देने के खिलाफ है। दरअसलए प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेता केजरीवाल की मुहिम के खिलाफ लगातार बयान दे रहे हैं। अजय माकन और संदीप दीक्षित जैसे दिल्ली कांग्रेस के बड़े नेता इस मुद्दे पर केजरीवाल के विरोध में खड़े हैं। वे कांग्रेस हाईकमान से केजरीवाल को किसी तरह का सपोर्ट न देने की अपील कर रहे हैं। ऐसे माहौल में आज अरविंद केजरीवाल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की कोशिश करने वाले हैं। देखना ये है कि क्या कांग्रेस हाईकमान अपने नेताओं के खिलाफ जाकर केजरीवाल को समर्थन देंगेए और अगर राहुल गांधी केजरीवाल को मिलने का वक्त देते हैं तो ये बड़ी बात होगी।

वसुंधरा को नहीं मिलेगी राजस्थान की कमान

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में चार महीने से भी कम का समय रह गया है। सभी राजनीतिक दल अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस व भाजपा ने भी अपना सांगठनिक ढांचा मजबूत बना लिया है। मंडलए ब्लॉकए जिला से लेकर प्रदेश कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। कांग्रेस पार्टी चुनाव में जाने को पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। ऐसे में भाजपा भी जोरो से चुनावी तैयारियां कर रही है। भाजपा के बड़े नेता चाहते हैं कि राजस्थान में हर बार राज बदलने की परंपरा को इस बार भी कायम रखा जाए। उसी परंपरा के तहत प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाई जाए।

इस बार के चुनाव में भाजपा पहले से हटकर कुछ नया करने जा रही है। भाजपा द्वारा राजस्थान विधानसभा के अब तक लडे गये सभी चुनावों में पार्टी एक नेता का नाम घोषित कर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ती रही थी। पहले भैरोंसिंह शेखावत राजस्थान में भाजपा के चेहरे हुआ करते थे। उनके बाद 2003 से लेकर 2018 तक के चुनाव में वसुंधरा राजे को नेता घोषित कर पार्टी चुनाव लड़ती रही थी। मगर इस बार के चुनाव में ऐसा नहीं होगा। इस बार भाजपा आलाकमान ने पूरा चुनाव एक नए अंदाज में लड़ने का फैसला किया है। भाजपा इस बार राजस्थान के किसी भी नेता को पार्टी का चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी। इस का खुलासा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे के दौरान सीकर मीटिंग में पूरी तरह हो चुका है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा हाल ही में घोषित की गई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वसुंधरा राजे को फिर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह इस बात का संकेत है कि उनको राजस्थान की राजनीति से हटाकर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय किया जाएगा। हालांकि वसुंधरा राजे पिछले लंबे समय से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी हुई है मगर उनके पास दिल्ली में पार्टी की कोई भी जिम्मेदारी नहीं है। पिछले दिनों जरूर उनको झारखंड की चार लोकसभा सीटों कोडरमाए दुमकाए गिरिडीह और गोड्डा भेजकर पार्टी के पक्ष में प्रचार करवाया गया था। उसके अलावा उन्होंने आज तक राष्ट्रीय पदाधिकारी के रूप में किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं निभाई है।

वसुंधरा राजे स्वयं राजस्थान नहीं छोड़ना चाहती है। उनके समर्थक भी चाहते हैं कि राजे प्रदेश की राजनीति में ही सक्रिय रहें। ताकि अगले विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सके। मगर भाजपा आलाकमान किसी भी स्थिति में ऐसा नहीं होने देना चाहता है। इसीलिए पार्टी ने फैसला किया है कि अगला विधानसभा चुनाव बिना नेता के ही लड़ेंगे।

भाजपा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाकर भ्रष्टाचार के मुद्दे को हवा देना चाहती है। राजस्थान में पेपर लीक प्रकरणए राजस्थान लोक सेवा आयोग प्रकरणए शिक्षक भर्ती घोटाला व भ्रष्टाचार के अन्य मुद्दों को हवा देकर भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाना चाहती है। ऐसे में यदि भाजपा वसुंधरा राजे को चेहरा बनाकर चुनाव लड़ती है तो कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुद्दा कमजोर हो जाएगा। वसुंधरा राजे के आगे आते ही कांग्रेस भाजपा का हथियार उन्हीं के खिलाफ प्रयोग में ला सकती है। इसी डर से भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे को आगे नहीं कर रहा है। वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री रहते उनकी सरकार के भ्रष्टाचार के बहुत से मामले उजागर हुए थे। कांग्रेस नेता सचिन पायलट तो अभी भी वसुंधरा राजे सरकार के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते आ रहे हैं।

वसुंधरा राजे पर मुख्यमंत्री रहते एक चौकड़ी से घिरे रहने के आरोप भाजपा के ही नेता लगाते रहे थे। वही पुरानी चौकड़ी आज भी वसुंधरा राजे के चारों तरफ नजर आ रही है। वसुंधरा समर्थक कालीचरण सर्राफए यूनुस खानए भवानी सिंह राजावतए रोहिताश शर्माए देवी सिंह भाटीए अशोक परनामीए प्रताप सिंह सिंघवीए प्रहलाद गुंजलए अशोक लाहोटीए सिद्धि कुमारीए रामचरण बोहरा जैसे नेता आज भी उनको घेरे रहते हैं। इससे वसुंधरा राजे की आम जनता में नकारात्मक छवि बन चुकी है। वसुंधरा राजे समर्थकों ने तो दो साल पहले वसुंधरा राजे विचार मंच नामक एक संगठन बनाकर प्रदेश में भाजपा के समानांतर संगठन चलाने का भी प्रयास किया था। मगर उसे ज्यादा समर्थन नहीं मिलने के कारण वह संगठन निष्क्रिय सा हो चुका है।

पिछले विधानसभा चुनाव में तो वसुंधरा राजे के खिलाफ जनता का आक्रोश इतना अधिक हो गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित चुनावी जनसभाओं में जनसमूह मोदी तुझसे बैर नहीं वसुंधरा तेरी खैर नहीं के नारे लगाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार के बावजूद भी 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को राजस्थान में करारी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा 163 से घटकर 73 विधानसभा सीटों पर सिमट गई थी। यानी भाजपा को उन 90 विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा था जहां उनके प्रत्याशी 2013 के विधानसभा चुनाव में जीते थे। 2018 के चुनावी सभाओ में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं देखा था वसुंधरा राजे के खिलाफ आमजन में कितना आक्रोश व्याप्त है।

उसी के चलते 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने वसुंधरा राजे को चुनावी प्रचार से दूर ही रखा था। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं होती थी। 2019 में भाजपा ने लगातार दूसरी बार प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटें जीती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सभी बड़े नेताओं का मानना है कि प्रदेश में आज भी वसुंधरा राजे की नकारात्मक छवि से भाजपा को नुकसान हो सकता है। इसीलिए उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में लाकर दूसरे प्रदेशों में प्रचार करवाया जाए।

राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का पिछली बार सबसे अधिक विरोध उनके राजपूत समाज ने ही किया था। आनंदपाल एनकाउंटर के चलते राजपूत समाज खुलकर वसुंधरा राजे के खिलाफ हो गया था। जिसका उन्हें खामियाजा भी चुकाना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रदेश में हो रही जनसभाओं में भी वसुंधरा राजे को बोलने का अवसर नहीं मिल रहा है। इसका भी सीधा.सीधा संदेश है कि पार्टी उन्हें प्रदेश की राजनीति में ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहती है। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वसुंधरा राजे का खुलकर आभार जताने के बाद प्रदेश की जनता को गहलोत.वसुंधरा के मिलीभगत की राजनीति का भी पता चल गया। वैसे भी वसुंधरा राजे विपक्ष की राजनीति में अधिक सक्रिय नहीं रहती है। पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते उनको लगातार प्रदेश में घूम.घूम कर पार्टी को मजबूत करना चाहिए था। उस समय वसुंधरा राजे अपने को धौलपुर महल तक ही सीमित कर लेती है। ऐसी कई बातें हैं जिनके चलते वसुंधरा राजे को प्रदेश की राजनीति से दूर किया जा रहा है। वह पार्टी से विद्रोह नहीं कर सके इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी बनाए रखा गया है।वसुंधरा राजे अब कितना भी जोर लगा ले उनको नेता घोषित नहीं किया जाएगा। वह चाहती है कि उन्हें चुनाव समिति या प्रचार समिति का ही अध्यक्ष बना दिया जाए। मगर मौजूदा परिस्थितियों से ऐसा लगता है कि भाजपा आलाकमान उन्हें शायद ही प्रदेश में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दें। उनको बैलेंस रखने के लिए उनके समर्थक किसी नेता को चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है।

टीबी के कारण बढ़ रहा है महिलाओं में बांझपन का खतरा

अमरपाल सिंह वर्मा.

टीबी एक ऐसी बीमारी हैए जिसने पूरे विश्व को चिंता में डाल रखा है। इस बीमारी का इलाज उपलब्ध है लेकिन फिर भी यह फैलती ही जा रही है। पूरी दुनिया में टीबी को जड़ से खत्म करने के उपाय किए जा रहे हैंए फिर भी न केवल टीबी बरकरार है बल्कि यह अन्य रोगों एवं समस्याओं का भी कारण बन रही है। टीबी के कारण महिलाओं में बांझपन का खतरा बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि हमारे देश में गर्भाशय की टीबी का तेजी से प्रसार हो रहा है। इससे गर्भाशय बुरी तरह प्रभावित होता है। भारत में गर्भाशय में टीबी की वजह से 25.30 फीसदी औरतें बांझपन झेलने पर मजबूर हो जाती हैं।

एक संक्रामक रोग के रूप में टीबी उस स्वस्थ व्यक्ति को सरलता से चपेट में ले लेती हैए जो किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आ जाता है। जो लोग टीबी से संक्रमित व्यक्ति के नजदीक होते हैंए उनके रोगग्रस्त होने का अंदेशा अधिक हो जाता है। संक्रमित व्यक्ति के छींकनेए खांसने से टीबी का संक्रमण हवा द्वारा फैलता है। इससे कोई भी संक्रमित हो सकता है पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों के संक्रमित होने की आशंका ज्यादा रहती है।

टीबी को केवल मात्र फेफड़ों का रोग समझा जाना भी समस्या की वजह बन रहा है। आरंभ में भले ही टीबी फेफड़ों पर असर डालती है लेकिन इसके उपरांत टीबी का बैक्टीरिया रक्त के माध्यम से शरीर के अन्य हिस्सों में भी जा पहुंचता है। इस प्रकार टीबी दिमागए विभिन्न जोड़ोंए हड्डियोंए रीढ़ए पेटए आंतोंए मूत्र मार्गए गर्भाशय आदि को सक्रंमित कर देती है। इस प्रकार अगर कोई महिला टीबी से संक्रमित हो जाती है तो उसके गर्भाशय तक संक्रमण फैलने की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है।

हर बीमारी आने से पहले किसी न किसी तरह के संकेत देती है। बीमारी से पहले शरीर में उसके लक्षण उभरते हैं। अगर समय रहते उन संकेतों को समझ कर लक्षणों पर ध्यान दिया जाए तो बीमारी से निपटने में मदद मिल सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर किसी महिला को ज्यादा पसीना आएए उबकाई आएए हल्का बुखार आएए वजन कम होए दिल तेजी से धडकेए पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द होए उल्टी आएए अत्यधिक रक्तस्त्राव हो या सफेद पानी का स्त्राव हो तो उसे सचेत हो जाना चाहिए लेकिन ज्यादातर मामलों में लोग इन लक्षणों की अनदेखी कर देते हैं। ऐसे लक्षण उभरते हैं तो अपना वहम या आम बात मानकर उनकी उपेक्षा कर दी जाती है। इसी कारण गर्भाशय में टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे मामलों में टीबी के बैक्टीरिया सीधे गर्भाशय पर आक्रमण करते हैंए जिससे महिलाओं को अनियमित मासिक स्त्रावए गर्भ धारण में समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। टीबी का दुष्परिणाम गर्भाशय की सबसे अंदरूनी परत कमजोर होने के रूप में सामने आता हैए जिस कारण भ्रूण अच्छी प्रकार विकसित नहीं हो पाता। जो महिलाएं खान.पान पर ध्यान नहीं देतीं और स्वच्छता का ख्याल नहीं रखतींए उनके स्वास्थ्य पर खतरा अधिक होता चला जाता है।

हर जगह टीबी का निरूशुल्क उपचार उपलब्ध है। सरकार ने वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगर कोई रोगी इलाज कराना आरंभ करता है तो वह छह महीने का कोर्स पूरा कर रोग मुक्त हो सकता है। महिलाओं को लक्षण सामने आने पर तुरंत जांच करा लेनी चाहिए मगर लापरवाही के कारण समस्या बढ़ती चली जाती है।

टीबी का समय रहते इलाज शुरू करना अत्यंत आवश्यक है। डॉक्टर की सलाह से समुचित इलाज होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि महिलाएं दो.तीन महीने के बाद दवाएं खाना बंद कर देती हैं।

'पत्रकार सुरक्षा कानून' समय की मांग है

विजय केसरी

झारखंड प्रांत में पत्रकारिता का बहुत ही स्वर्णिम इतिहास रहा है।प्रांत के पत्रकारों ने जान की बाजी लगाकर भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को गति प्रदान करने में अपनी महती भूमिका अदा की थी। झारखंड के पत्रकारों की जब भी प्रांत को उसकी जरूरत पड़ी, उन्होंने किसी भी तरह की आहुति देने में संकोच तक नहीं किया। आजादी से पूर्व आजादी के संघर्ष के लिए झारखंड के पत्रकार लगातार लिखते रहे थे ।देश की आजादी के बाद, भारत की आजादी अक्षुण्ण कैसे रहे ? इस निमित्त झारखंड के पत्रकारों ने शानदार पत्रकारिता की, जो अनवरत जारी है ।जब 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा हुई थी, झारखंड के पत्रकारों ने इमरजेनसी का एक स्वर में पुरजोर विरोध दर्ज किया था। सेंसरशिप के बावजूद झारखंड के अखबार इमरजेंसी के खिलाफ आग उगलते रहे थे ।अखबार के संपादकों , प्रकाशकों और पत्रकारों को जिला प्रशासन द्वारा जेल में डाल दिए जाने की धमकी भी दी गई थी। इसके बावजूद झारखंड के पत्रकार झुके नहीं बल्कि और मुखर होकर लिखते रहे थे। लोकतंत्र की रक्षा के लिए झारखंड के पत्रकारों ने अपनी जान की बाजी तक लगा दी थी।

लोकतंत्र के चौथा स्तंभ के रूप में पत्रकारिता को स्थान जरूर दिया जाता है, लेकिन इस स्तंभ के कामगार पत्रकारों की सुरक्षा के प्रति शासन - प्रशासन मौन क्यों है ? यह सबसे बड़ा हम सवाल है।? विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका की सुरक्षा के प्रति आजादी के बाद से ही सरकार तटस्थ रही है, लेकिन लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता के कामगार पत्रकारों की सुरक्षा के प्रति इतनी उदासीनता क्यों ?

झारखंड अलग प्रांत निर्माण के मुद्दे पर झारखंड की पत्रकारिता की जितनी भी तारीफ की जाए कम है। झारखंड अलग प्रांत लड़ाई के लिए नेताओं ने सड़क से लेकर सदन तक अपनी आवाजें बुलंद की थीं ।झारखंड की पत्रकारिता ने झारखंड आंदोलन कर्मियों की आवाज को सरकार तक पहुंचाने में महती भूमिका अदा की थी ।झारखंड से प्रकाशित होने वाले कई अखबारों ने झारखंड अलग प्रांत क्यों ? विषय को लेकर लंबे-लंबे लेख मालाओं को प्रकाशित कर आंदोलन को धार धार बनाया था। कई पत्रकार दिन रात एक कर झारखंड से जुड़े नेताओं के बयानों को प्रकाशित करने में लगे थे।जेल में बंद झारखंड अलग प्रांत के सिपाहियों की बातों को भी छाप रहे थे।लग रहा था कि ये कलम के सिपाही खुद झारखंड अलग प्रांत के एक सिपाही के रूप में तब्दील हो गए। इस तरह की रिपोर्टिंग करने में झारखंड के कई पत्रकारों को काफी जोखिम उठाना पड़ा था।तब लंबे संघर्ष के बाद झारखंड अलग प्रांत बन पाया था।

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं डीसी मनरेगा

-सूबे के ग्राम्य विकास आयुक्त व सीडीओ के आदेश दर-किनार-60-40 अनुपात से पहाडी ब्लाक में नहीं हुए भुगतान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सूबे के ग्राम्य विकास आयुक्त के मनरेगा योजना के तहत श्रम-सामग्री 60-40 अनुपात बनाये रखने के आदेश को डीसी मनरेगा/पहाडी बीडीओ धर्मजीत सिंह ठेंगे पर मारे है। पहाडी ब्लाक में बडे पैमाने पर भ्रष्टाचार करने की गरज से जिले में एक अतिरिक्त बीडीओ होने के बाद भी चार्ज नहीं छोड रहा। भारी कमीशनखोरी कर-के ग्राम पंचायतों में 60-40 के अनुपात से ज्यादा भुगतान किया है।

गुरुवार को डीसी मनरेगा/पहाडी बीडीओ के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। बताया गया कि सीडीओ अमृतपाल कौर की चेतावनी को दर-किनार कर डीसी मनरेगा ने शासन की मंशा के विपरीत भुगतान किया है। रामनगर, मऊ, कर्वी में अनुपात के अनुसार भुगतान हुए हैं। अकेले पहाडी ब्लाक में भारी कमीशनखोरी के चलते बछरन में 90 फीसदी, बेराउर में 87 फीसदी, चनहट में 81 फीसदी, गनीवा प्रसिद्धपुर में 98 फीसदी, कनकोटा में 70 फीसदी, खरसेडा में 75 फीसदी, रायपुर में 78

फीसदी, तौरा में 71 फीसदी भुगतान हुए हैं। कहीं भी मानक के अनुसार भुगतान नहीं किये गये। रायपुर में कच्चे माल का चार लाख 59 हजार की अपेक्षा 15 लाख, भदेहदू में 243000 की अपेक्षा 17.52 लाख, बेराउर में 227000 की अपेक्षा 1242000, चांदी में 180000 की अपेक्षा 1212000, चिल्लीमल में 1078000 की अपेक्षा 1175000, कनकोटा में 530.000 की अपेक्षा 10.00000 भुगतान हुए हैं।

जबकि सूबे के ग्राम विकास आयुक्त के कडे निर्देश हैं कि ग्राम पंचायतों में 60-40 अनुपात से अधिक भुगतान न किये जायें। डीसी मनरेगा ने पहाडी ब्लाक के स्वयंभू ठेकेदारों के भुगतान कर जमकर कमीशनखोरी की है। कुछ खास सचिवों के कहने पर भुगतान किया है। शासन की मंशा के विपरीत हुए भुगतान की जांच करा लें तो डीसी मनरेगा के भ्रष्टाचार का खुलासा तत्काल हो जायेगा। इस बाबत डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह से बात करने के प्रयास किये गये, उनसे सम्पर्क नहीं हो सका।

घर से खेत में अपने पिता की चाय लेकर गई 18 वर्षीय युवती हुई लापता

तोशाम। क्षेत्र के एक गांव में घर से खेत में अपने पिता की चाय लेकर गई 18 वर्षीय युवती लापता हो गई। जिसकी शिकायत युवती की माता ने पुलिस को दी है। शिकायत पर पुलिस ने युवती की गुमशुदगी का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 18 वर्षीय पुत्री गत 1 अगस्त को दोपहर करीबन 2 बजे घर से खेत में अपने पिता की चाय लेकर गई थी।

मंदाकिनी में अचानक बढा जलस्तर, दुकानदारों को सुरक्षित स्थान में जाने की अपील

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी में सवेरे से अचानक बाढ़ आ गई। आसपास के दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते रामघाट समेत अन्य घाटों की पूरी सीढ़ियां डूब गईं। पानी दुकानों की ओर बढ़ने लगा।

गुरुवार को तडके से मन्दाकिनी में बाढ देखने को मिली। यूपी-एमपी प्रशासन ने दुकानदारों को लाउडस्पीकर से सुरक्षित स्थान

पर जाने की अपील की। बुधवार की रात मानसून की बारिश मप्र क्षेत्र में होने से मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई। रामघाट क्षेत्र समेत आरोग्यधाम में बने रपटा पूरी तरह से जलमग्न हो गए। मंदाकिनी किनारे भारत मंदिर के महंत दिव्यजीवन दास ने बताया कि देर रात मप्र क्षेत्र में अधिक बारिश होने से नदी में बाढ़ आ गई। जलस्तर सवेरे से लगातार बढ़ता जा रहा है। मंदाकिनी नदी में मानसून की पहली बारिश से पहली बाढ़ है। कोतवाली प्रभारी गुलाब त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर दुकानदारों को सुरक्षित स्थान में जाने की अपील कर रहे हैं।

उधर, मप्र क्षेत्र के एसडीओपी आशीष जैन ने मप्र क्षेत्र में एनाउंस कर लोगों को सुरक्षित स्थान में जाने को कहा है। आशीष जैन ने बताया कि देर रात बारिश से मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई है। लगातार जलस्तर बढ़ रहा है। मंदाकिनी किनारे बनी कुर्सियां पूरी तरह से जलमग्न हो गई हैं।

आज होगी ब्राम्हण महासभा की बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अखिल भारतीय ब्राम्हण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवसागर पाण्डेय के हवाले से जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि महासभा की बैठक छह अगस्त को बस स्टैण्ड स्थित होटल श्याम दरबार में होगी। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष/यूपी रत्न पं राजेन्द्रनाथ त्रिपाठी शामिल होंगे।

गुरुवार को अखिल भारतीय ब्राम्हण महासभा के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि बैठक में संगठन विस्तार की चर्चा के साथ लोकसभा चुनाव में ब्राम्हण समाज की भूमिका एवं राजनैतिक दलों के ब्राम्हण समाज की उपेक्षा के कारणों पर चर्चा की जायेगी। बैठक में जिले की सभी तहसीलों समेत बांदा की सभी तहसीलों के पदाधिकारी व कार्यकताओं के साथ प्रदेश के पदाधिकारी शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि बैठक का प्रमुख एजेंडा संगठन विस्तार समेत बूथ स्तर पर ब्राम्हण युवाओं को संगठित कर ब्लाक, तहसील, जिला कमेटी में नेतृत्व दिया जायेगा। ब्राम्हणों के अधिकारों की सुरक्षा को राजनैतिक मंच तैयार कर आगामी लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारने पर चर्चा की जायेगी।

गांजा कारोबारी को त्वरित न्यायालय ने सुनाई सजा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। एक किलो सौ ग्राम गांजा समेत दबोचे गांजा कारोबारी को त्वरित न्यायालय ने एक वर्ष की सजा सुनाई है। पांच हजार रूपए के जुमार्ना से भी दण्डित किया है।

गुरुवार को सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सनद कुमार मिश्रा ने बताया कि बीती 22 दिसंबर 2022 को बरगढ़ थाने के पूर्व दरोगा प्रभुनाथ यादव व सिपाही चंदन विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय राजमार्ग 35 में हर्दीकला मोड़ के पास ललई गांव के तुलसीदास दुबे पुत्र शंकरलाल को एक किलो सौ ग्राम गांजा समेत गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में जेल भेजकर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। गिरफ्तार होने के सात माह से अधिक समय से आरोपी जेल में बंद है। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद गुरुवार को त्वरित न्यायालय के अपर जिला जज सुशील कुमार वर्मा ने आरोपी को दोषसिद्ध करार दिया। आरोपी तुलसीदास दुबे को एक वर्ष की सजा के साथ पांच हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया।

बेसिक शिक्षकों ने वेतन को लेकर घेरा लेखाधिकारी कार्यालय

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश पाण्डेय व जिला महामंत्री अराधना सिंह ने वित्त एवं लेखाधिकारी के कार्यालय का शिक्षकों के साथ घेराव कर कहा कि बार-बार अनुरोध के बाद भी हर माह वेतन विलम्ब से दिया जाता है।

गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश पाण्डेय व जिला महामंत्री अराधना सिंह ने शाम चार-पांच बजे सैकडों शिक्षकों के साथ लेखाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। लेखाधिकारी कार्यालय मे मौजूद नहीं थे। उनकी गैर मौजूदगी में वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय के लेखाकार अवधेश को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी कि कल दोपहर तक वेतन न आया तो शाम चार बजे पुनः लेखाधिकारी कार्यालय का घेराव किया जायेगा। चेताया कि जब तक शिक्षकों के खातों में वेतन नहीं पहुंचेगा, तब तक घेराव का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि संगठन के अनुरोध पर खराब मौसम के बाद भी शिक्षक व शिक्षिकाओं ने घेराव में भारी तादाद में हिस्सा लिया है। अगस्त माह से वेतन समय से न मिलने पर विरोध का सिलसिला जारी रहेगा।

किसानों के खेत-तालाब में निर्धारित करें मत्स्य पालन लक्ष्य: डीएम

पीएम-सीएम मत्स्य सम्पदा योजना की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक में सहायक निदेशक मत्स्य भानु चंद्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना 2023-24 में 95 आवेदन आनलाइन मिले हैं। परियोजना वार/श्रेणी वार लाभार्थियों के मिले थे। मत्स्य निरीक्षकों के सत्यापन में 32 आवेदन निरस्त कर 63 आवेदन पात्रों के मिले।

गुरुवार को कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने सहायक निदेशक मत्स्य से कहा कि निरस्त आवेदनों में कारण स्पष्ट किया जाए। जो आवेदन चयनित हुए हैं, उनकी क्रास चेकिंग करें। योजना में देखें कि मत्स्य पालन का कार्य करने वाले लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाया जाए। पिछले वर्ष जिन्हें लाभ दिया गया है, प्रगति विवरण अगले माह की बैठक में पेश किया जाए। यमुना एवं मंदाकिनी में मछलियां निकालने को इस समय रोक लगाई जाये। जिन बांधों में मत्स्य पट्टा है, वहां भी रोक

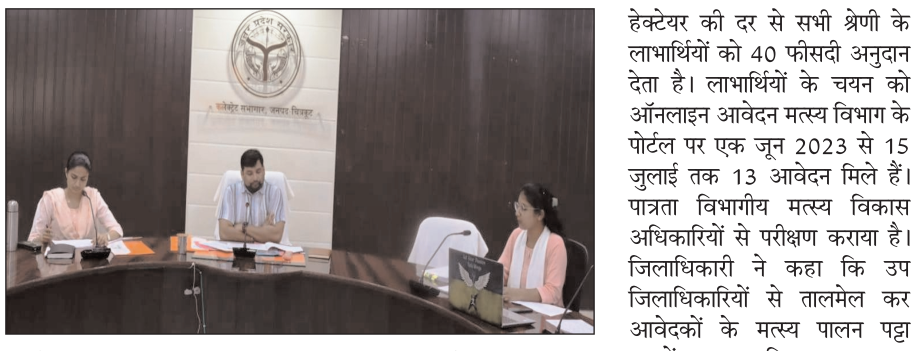

लगायें। मत्स्य विभाग व सिंचाई विभाग रिपोर्ट पेश करे। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत जिन तालाबों का निर्माण एवं निवेश हुआ है, निरीक्षण करायें।

जिलाधिकारी ने कहा कि 2022-23 की योजना में चयनित लाभार्थियों से लिखित लेकर कार्य योजना में रखा जाए। भूमि संरक्षण अधिकारियों से कहा कि जिन किसानों को खेत-तालाब योजना का लाभ मिला है, उन किसानों से संपर्क कर मत्स्य पालन करायें। उपनिदेशक कृषि से कहा कि भूमि संरक्षण की तीनों इकाइयों को 50-50 किसानों के खेत-तालाब में मत्स्य पालन का लक्ष्य दें। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई से कहा कि यमुना घाट मऊ व राजापुर में मछुआ समुदाय के लाभार्थियों का चयन कर मत्स्य विभाग से नाव दिलायें। सहायक निदेशक मत्स्य से कहा कि यमुना किनारे के गांवों में कैंप लगाकर मत्स्य विभाग की जानकारी दें। मत्स्य पालकों के केसीसी बनवायें।

इस बाबत अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक से संपर्क करें। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना का उद्देश्य गांवों के तालाब-पोखर जिनका सुधार मनरेगा योजना अथवा पट्टा के लाभार्थी ने खुद किया है, ऐसे तालाबों में मत्स्य बीज निवेश को बैंक चार लाख रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से सभी श्रेणी के लाभार्थियों को 40 फीसदी अनुदान देता है। लाभार्थियों के चयन को ऑनलाइन आवेदन मत्स्य विभाग के पोर्टल पर एक जून 2023 से 15 जुलाई तक 13 आवेदन मिले हैं। पात्रता विभागीय मत्स्य विकास अधिकारियों से परीक्षण कराया है। जिलाधिकारी ने कहा कि उप जिलाधिकारियों से तालमेल कर आवेदकों के मत्स्य पालन पट्टा करायें। मत्स्य विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना से संचालित योजनाओं का लाभार्थियों को लाभ दिलायें।

बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, जिला विकास अधिकारी आरके त्रिपाठी, उप निदेशक कृषि राजकुमार, अधिशासी अभियंता सिंचाई आशुतोष कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक तुलसीराम, भूमि संरक्षण अधिकारी चित्रकूट तुलसीराम, सीओ मत्स्य किशन शर्मा, मत्स्य विकास अधिकारी दीपक मिश्रा, गनीवा कृषि फार्म के कमलाकांत शुक्ला आदि मौजूद रहे।

पीडिता ने पूरे तंत्र पर उठाये सवाल, न्याय मिलने में जताया संदेह

पीडिता-परिजनों से लायर्स यूनियन व जनवादी महिला समिति ने की भेंट

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। आल इंडिया लायर्स यूनियन के जिलाध्यक्ष का रुद्र प्रसाद मिश्र एड, का दुर्गा प्रसाद गुप्ता एड, का अखिलेश, का रामसहाय व जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष पूनम, नीलम व वन्दना के साथ टीम ने सामूहिक दुष्कर्म की शिकार पीडिता के घर जाकर भेंट की। पीडिता ने पूरी न्याय प्रणाली पर सवाल उठाये हैं।

गुरुवार को आल इंडिया लायर्स यूनियन व जनवादी महिला समिति की टीम मानिकपुर पहुंची। सामूहिक दुष्कर्म की शिकार पीडिता व परिजनों से भेंट के बाद कहा कि पीडिता ने पूरे न्याय प्रणाली पर सवाल खडे किये हैं। पीडिता ने बताया कि प्रधानाचार्य राकेश सिंह चन्देल का नाम लेने पर तंत्र के लोग भडक जाते हैं। कहते हैं कि उसका नाम क्यों ले रही हो। ऐसा होने से न्याय प्रणाली संदेह के घेरे में आ गई है। का मिश्र ने कहा कि प्रधानाचार्य राकेश सिंह चन्देल को पुलिस बचा रही है। का रुद्र प्रसाद मिश्र एड ने कहा कि पीडिता व परिवार को भरोसा दिया है कि पूरी मदद की जायेगी। न्याय दिलाने को न्यायालय में प्रभावी पैरवी की जायेगी। असली आरोपी को पाक्सो एक्ट में जेल भेजवाने में कानूनी मदद की जायेगी। पीडिता के कालेज में प्रवेश लेने के तीन माह बाद ही यौन उत्पीडन होने लगा था। प्रधानाचार्य की संलिप्तता प्रमाणित है। उसे बचाने को बुआ के लडके ओमप्रकाश को मारपीट कर जेल भेजा गया है।

पुलिस के साये में टीम की हुई भेंट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। का रुद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि पुलिस के साये में पीडित परिवार से उन्हें मिलने दिया गया है। इससे समझा जा सकता है कि आरोपी को बचाने को तंत्र कितना सक्रिय है। जिले में दूसरा ब्रजभूषण सिंह पैदा हो गया है। उसे बचाने को ऊपर से नीचे तक लोग लग गये हैं। घटना की रिपोर्ट दर्ज हुए एक सप्ताह होने के बाद भी मुख्य आरोपी को बचाने के हर सम्भव प्रयास हो रहे हैं। जनवादी महिला समिति की टीम ने कहा कि कहने को पुलिस पीडित परिवार की सुरक्षा को है, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में ही मिलने की अलिखित अनुमति है। महिला सिपाही के साये में पीडिता के शयनकक्ष तक निगरानी है। उनसे पूंछा गया कि किसकी अनुमति से मिलने आये हैं। कानून की भाषा में बताया गया कि देश में पीडित परिवार से मिलने में किसी की अनुमति लेने की व्यवस्था संविधान में नहीं है। पीडिता से उसके शयनकक्ष में समिति की महिलायें मिलने गई तों महिला सिपाही शयनकक्ष में भी पहुंच गई। पीडिता से ज्यादा पूंछने से महिला सदस्यों को मना किया। आरोपी को बचाने को इस तरह से हंथकंडे अपनाये जा रहे हैं। प्रजातांत्रिक देश में ये गम्भीर चिन्ता का विषय है। 2007-08 में जिला मुख्यालय के एक स्कूल में भी यहां एसडीएम रहे, की पुत्री के साथ भी ऐसी घटना हो चुकी है। उस मामले में भी स्कूल प्रबंधन को पुलिस प्रशासन ने साफतौर पर बचा लिया था। ऐसी घटनाओं पर पुलिस को तत्काल कडी कार्यवाही करनी चाहिए।

दो युवकों ने किशोरी से किया दुष्कर्म, गर्भवती, नैनी क्षेत्र का है मामला

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। सरैंया चैकी क्षेत्र के एक गांव की किशोरी से दो युवकों ने कई बार दुष्कर्म किया। गर्भ ठहरने पर किशोरी ने परिजनों को मामले की जानकारी दी। थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो व दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया। किशोरी का डॉक्टरी परीक्षण कराकर आरोपियों की तलाश जारी है।

गुरुवार को इस मामले का खुलासा हुआ। बताया गया कि सरैंया चैकी क्षेत्र के एक पुरवा की 17 वर्षीय किशोरी छह-सात माह पहले बुआ के साथ प्रयागराज के नैनी के महोखर गई थी। बुआ के साथ वहीं मजदूरी करती थी। तीन दिन पहले रविवार को गांव लौटी तो घर में पेट दर्द की शिकायत हुई। किशोरी के माता-पिता उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। जांच में किशोरी के गर्भवती होने की बात पता चली। किशोरी ने बताया कि महोखर कार्य स्थल पर सेमरदहा के ऋषिकेश और अहिरीपुरवा के राजकुमार ने उसे बहलाकर कमरे में बुलाया था। अलग- अलग दिन में उसके साथ दुष्कर्म किया। कई बार पेट दर्द की शिकायत हुई तो वहीं से दवा लेकर खाई थी। मानिकपुर थाना प्रभारी वीर प्रताप सिंह ने बताया कि एसपी के आदेश पर दोनों आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। किशोरी का डॉक्टरी परीक्षण कराया गया है। लगभग छह माह का गर्भ होने की संभावना है। बताया कि घटना स्थल नैनी थाना क्षेत्र का है। रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना वहां स्थानांतरित की जाएगी।

पुलिस ने दबोचे एक वांछित-दो वारंटी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में पुलिस ने एक वांछित व दो वारंटी दबोचे हैं।

गुरुवार को सरधुवा थाने के दरोगा अनिल कुमार गुप्ता की टीम ने पाक्सो एक्ट के वांछित चन्दा पुत्र बुद्धमान रैदार निवासी अतरौली को गिरफ्तार किया है। पहाडी थाने के दरोगा रविकान्त राय की टीम ने वारंटी छेदीलाल पुत्र सुक्खा व लवकुश पुत्र छेदीलाल निवासी चैरा को गिरफ्तार किया है।

शासन के समयानुसार कार्य पूरे न होने पर होगी कार्यवाही: अभिषेक आनन्द, डीएम ने निर्माण कार्यो की प्रगति बाबत की बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले में हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति बाबत कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिये कि जिला अस्पताल समेत सभी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बीस बेड के अस्पताल बनाये जा रहे हैं। प्रत्येक दशा में अगस्त तक कार्य पूरे न होने पर वे कार्यवाही को बाध्य होंगे। ठेकेदार तथा हाईट्स से वसूली भी करायी जायेगी।

गुरुवार को जिलाधिकारी ने कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी से कहा कि कमेटी बनाकर कार्यों की गुणवत्ता की जांच करायें। जिला कार्यक्रम प्रबंधक आरके करवरिया को निर्देश दिए कि कार्यदाई संस्था आवास विकास को शासन से उपकेंद्रों के निर्माण को धनराशि कब मिली है। उन्होंने कहा कि जिन गांव में निर्माण कार्य को भूमि की समस्या है, संबंधित प्रभारी चिकित्साधिकारी व कार्यदायी संस्था की पूरी जिम्मेदारी है कि उप जिलाधिकारियों से संपर्क कर निस्तारण करायें।

उन्होंने सहायक अभियंता आवास विकास को निर्देश दिए कि तुरगवां, बराछी, हिनौता, सकरौली, दहिनी, बराछ, कटैया डाडी, कोपा, चकौध में कार्यों की प्रगति बहुत धीमी है। निर्माण कार्यों में मैनपावर बढ़ाकर तेजी लायें। सीएनडीएस से कहा कि आवासों के निर्माण पूरे करायें। अक्टूबर तक हैंड ओवर करायें। पैक्सफेड संस्था को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण शासन से निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे न होने पर वे कार्यवाही करेंगे। सभी कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय से कार्यों को पूरा करायें।

बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी, एसीएमओ डॉ एमके जतारिया समेत प्रभारी डॉक्टर आदि मौजूद रहे।

एएमओ सुरेन्द्र वर्मा को दुष्कर्म में हुई दस साल की सजा, जिला जज ने सजा के साथ किया 26 हजार जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में तैनाती दौरान चार साल पहले दुष्कर्म आरोपी कुशीनगर के अपर मुख्य अधिकारी सुरेन्द्र कुमार वर्मा को जिला जज विष्णु कुमार शर्मा ने दोष सिद्ध होने पर दस वर्ष की सजा सुनाई है। 26 हजार रूपए के जुमार्ना से भी दण्डित किया है।

गुरुवार को जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुन्दर मिश्रा ने बताया कि चार सितम्बर 2019 को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पीडिता की तहरीर पर कर्वी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पुलिस को दी तहरीर में पीडिता ने बताया था कि वह गरीब होने से जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के यहां एक साल से घरेलू कार्य करती थी। खाना बनाने और झाडू पोछा करती थी। कुछ दिन तक काम करने के बाद अपर मुख्य अधिकारी सुरेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि उसके तीन बच्चे हैं और पत्नी का निधन हो गया है। ऐसे में बच्चों और गृहस्थी को चलाने को उसे दूसरी शादी करनी है। सजातीय होने का हवाला देते हुए शादी का झांसा देकर नजदीकियां बढाकर दुष्कर्म करने लगा। पीडिता के अनुसार अप्रैल 2018 में आरोपी के यौन शोषण से वह गर्भवती हो गयी। जानकारी होने पर आरोपी ने शादी का भरोसा देते हुए गर्भपात करा दिया। कई महीनों तक आरोपी शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। पीडिता के मई 2019 में फिर से गर्भवती होने पर आरोपी नाराज हो गया और शादी की बात कहने पर गाली-गलौज करते हुए गर्भपात कराने को कहा। गर्भपात से मना करने पर पीडिता को आरोपी ने अपहरण कराने और जान से मारने की धमकी दी। न्याय चला निर्धन की ओर अभियान के तहत ये मामला सामने आने पर पूर्व पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कर्वी कोतवाली में मामला दर्ज हुआ था। पीडिता के डॉक्टरी परीक्षण के बाद आरोपी के विरूद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल हुआ था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद गुरूवार को जिला जज विष्णु कुमार शर्मा ने आरोपी को दोष सिद्ध करार देते हुए दस वर्ष की सजा समेत 26 हजार रूपए के जुमार्ना से दण्डित किया।

मानिकपुर तहसील में चरम पर है रिश्वतखोरी, दाखिल-खारिज में मांगे जाते हैं 20 से 30 हजार रुपये

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर तहसील में भ्रष्टाचार का आलम इस कदर है कि बिना पैसे के लोगों के दाखिल-खारिज नहीं किये जाते। दाखिल-खारिज के रजिस्टर में विवादित लिखकर छोड दिया जाता है। क्या विवाद है, इसका जिक्र नहीं किया जाता। गुरुवार को मानिकपुर तहसील के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ। बताया गया कि मानिकपुर तहसील में इस कदर भ्रष्टाचार फैला है कि बिना रिश्वत के किसी के कोई काम नहीं होते। यहां तक कि दाखिल-खारिज के मामले में जिन लोगों से भारी रिश्वत मिल जाती है, उनके दाखिल-खारिज तत्काल कर दिये जाते हैं। जो लोग रिश्वत देने में सक्षम नहीं होते, उनके दाखिल-खारिज में विवादित लिखकर छोड दिया जाता है। विवादित का कोई कारण नहीं दिखाया जाता। सिर्फ लेखपाल से आपत्ति लगवा ली जाती है। आपत्ति में कही भी कोई कारण नहीं दिखाया जाता। बताते हैं कि मानिकपुर तहसील में नोएडा से तहसीलदार आये हैं। वे 20 से 30 हजार रुपये तक रिश्वत की मांग करते हैं। कहते हैं कि नोएडा में तो दाखिल-खारिज के दो लाख रुपये तक मिलते थे। ऐसे ही एक मामला दो महिलाओं के दाखिल-खारिज का सामने आया है। कर्वी तहसील की रहने वाली श्रीमती निधी पाण्डेय व श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने मानिकपुर तहसील के अमचुर नेरुआ में महज ढाई बीघा जमीन खरीदी है। जमीन खरीदे उन्हें तकरीबन छह माह हो रहे हैं। उनकी जमीन की दाखिल-खारिज न करके रजिस्टर में विवादित लिख दिया गया है।

विदेश संदेश

श्रीलंका में घरेलू भुगतान में भी इस्तेमाल होगा भारतीय रुपया? सेंट्रल बैंक ने साफ की स्थिति

कोलंबो। हाल ही में श्रीलंका की सरकार ने भारतीय रुपया को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में मंजूरी दी थी। जिसके बाद अब भारत और श्रीलंका के बीच भारतीय मुद्रा में व्यापार हो सकेगा। लेकिन, भारतीय मुद्रा का प्रयोग द्वीप राष्ट्र में घरेलू लेन-देन के लिए नहीं होगा। श्रीलंका के सेंट्रल बैंक ने यह साफ कर दिया है। सेंट्रल बैंक ने साफ कहा है कि द्वीप देश में भारतीय रुपये के साथ किसी भी घरेलू लेनदेन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही उसने लोगों को इस मुद्दे से जुड़ी गलत जानकारी से गुमराह नहीं होने की भी चेतावनी दी है। शीर्ष बैंक ने कहा कि भले ही भारतीय रुपये (ढ्ढहृक्र) को एक निर्दिष्ट विदेशी मुद्रा के रूप में समर्थन दिया गया है, लेकिन यह घरेलू भुगतान के लिए श्रीलंका में कानूनी निविदा नहीं है। केंद्रीय बैंक ने बयान जारी कर कहा कि श्रीलंका में रहने वालों के बीच कोई भी लेनदेन लंकाई रुपया में होगा। ये मुद्रा श्रीलंका में कानूनी निविदा है। बयान में श्रीलंकाई बैंक ने कहा है कि अगस्त 2022 में श्रीलंका में भारतीय रुपये को विदेशी मुद्रा के रूप में नामित किया गया था।

इसमें यह भी कहा गया है कि मार्च 2000 में लागू हुए भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते के बाद श्रीलंका और भारत के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा है। दोनों देशों के बीच बढ़ती आर्थिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए कई बार सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका ने आरबीआई को बताया है कि वह भारतीय मुद्रा को एक निर्दिष्ट विदेशी मुद्रा के रूप में अधिकृत करने की इच्छा रखता है।

फिलीपींस में एक छोटा विमान दुर्घटना का शिकार; भारतीय छात्र पायलट समेत दो की मौत

मनीला। फिलीपींस में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में एक भारतीय छात्र पायलट और उसके फिलिपिनो ट्रेनर की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो सीटों वाला विमान अपायाओ प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे दो

लोगों की मौत हो गई। बचावकर्मी दुर्घटनास्थल से कैप्टन एडजेल जॉन लुंबाओ तबुजो और छात्र पायलट अंशुम राजकुमार कोंडे के शव नहीं निकाल सके। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, इको एयर सेसना 152 विमान मंगलवार दोपहर 12ः16 बजे लाओआग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से टेकऑफ हुआ था। इसके बाद उसका संपर्क टूट गया और वह लापता हो गया। इसे दोपहर 3:16 बजे तुगुएगाराव हवाई अड्डे पर पहुंचना था। विमान का मलबा बुधवार दोपहर को अपायाओ प्रांत में मिला। फिलीपींस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएपी) ने कहा कि एक खोज टीम को उत्तरी अपायो प्रांत में लापता छोटा विमान सेसना 152 का मलबा मिला। सीएएपी के प्रवक्ता एरिक अपोलोनियो ने बताया कि विमान में सवार दो व्यक्तियों के शवों को निकालने के लिए अभियान जारी है। इस बीच फिलीपींस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने विमान के संचालक इको एयर इंटरनेशनल एविएशन अकादमी के संचालन को निलंबित कर दिया है। जांच पूरी होने तक फ्लाइंग स्कूल का संचालन निलंबित रहेगा।

दुबई में रहने वाले मुंबई के सचिन ने जीता साप्ताहिक महजूज ड्रॉ; 45 करोड़ रुपये पाकर बने करोड़पति

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले एक 47 साल के भारतीय प्रवासी की लॉटरी लगी है। दुबई में रहने वाले टेक्नीशियन सचिन ने 139वें महजूज सुपर सैटरडे का शीर्ष पुरस्कार जीता है। इस साप्ताहिक ड्रा में उन्हें 20 मिलियन दिरहम (लगभग 45 करोड़ रुपये) मिले हैं। वहीं, एक अन्य भारतीय ने भी एक मिलियन दिरहम का ईनाम जीता है। इसके बाद इस ड्रा के माध्यम से करोड़पति का दर्जा हासिल करने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ कर 20 हो गई है। गौरतलब है कि सचिन मूल रूप से मुंबई के रहने वाले हैं। वे 25 सालों से दुबई में अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। ड्रॉ जीतने के बाद सचिन ने बताया कि मैं हर हफ्ते महजूज में भाग लेता रहा हूं। मै हमेशा बड़ी जीत की उम्मीद करता था। अब यह जीत मेरे और मेरे परिवार का जीवन बदल देगी। इसके साथ ही एक अन्य भारतीय प्रवासी गौतम ने भी ड्रॉ से एक मिलियन दिरहम (लगभग 2.25 करोड़ रुपये) का पुरस्कार जीता है।

इमरान की पार्टी पीटीआई की चुनावी मान्यता खतरे में, पार्टी को ईसीपी का नोटिस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान नए संकटों से घिर गए हैं। इमरान खान की अगुवाई वाली पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर चुनाव के लिए अयोग्य घोषित किए जाने का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान को नोटिस जारी कर शुक्रवार को उनके समक्ष पेश होने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उनकी पार्टी को चुनाव के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। जीयो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के शीर्ष चुनाव निकाय ने इमरान खान की पार्टी पीटीआई के भीतर लंबे समय से चुनाव नहीं कराए जाने को लेकर नोटिस दिया है। जिसमें इसे लेकर चुनाव आयोग द्वारा

पीटीआई अध्यक्ष को पूर्व में दिए गए नोटिस का हवाला देते हुए कहा गया है कि पार्टी के संविधान के मुताबिक पीटीआई के आंतरिक चुनाव 13 जून 2012 में होने वाले थे। चुनाव अधिनियम के तहत निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव कराने को लेकर पीटीआई को सूचित भी किया गया था लेकिन पार्टी इससे संबंधित कोई दस्तावेज देने में विफल रहा।

चुनाव आयोग ने एक और मौका देते हुए पार्टी के आंतरिक चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पिछले साल मई में अंतिम नोटिस जारी करते हुए 13 जून 2022 की विस्तारित तिथि दी। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि आगे किसी भी तरह का समय नहीं दिया जाएगा।

नोटिस के बाद पीटीआई ने पार्टी के संशोधित संविधान की प्रति जमा की जिसे चुनाव आयोग ने अपर्याप्त माना।

इस मामले में एकबार फिर नोटिस दिए जाने के बाद पूरा मामला सरगर्म हो गया है। इस कार्यवाही से इमरान की अगुवाई वाली पार्टी पीटीआई की चुनावी मान्यता खतरे में आ गई है।

चीन में तय होगी किशोरों के मोबाइल उपयोग की समय सीमा

हांगकांग। चीन ने बच्चों और किशोरों में मोबाइल की लत पर चिंता जताते हुए उनके उपयोग की समय सीमा तय करने की तैयारी कर रहा है। युवा विशेषकर बच्चों में स्मार्ट फोन की दीवानगी लत बनती जा रही है। चीन के साइबर स्पेस रेगुलेटर (सीएसी) ने कहा कि दिनभर में बच्चों की ओर से स्मार्ट फोन के उपयोग को दो घंटे तक सीमित किया जाना चाहिए। सीएसी का कहना है कि वह चाहता है कि स्मार्ट डिवाइस से जुड़ी कंपनियां ऐसे नाबालिग

मोड की सुविधा दे, जिसमें रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक 18 वर्ष से नीचे उम्र वाला इंटरनेट एक्सेस न कर सके। प्रस्तावित बदलाव में कंपनी की ओर से समय की भी सीमा तय की जाए। प्रस्ताव के अनुसार, 16 और 18 वर्ष के बीच के किशोरों के लिए यह समय सीमा दो घंटे तय हो। आठ से 16 वर्ष के बीच वालों के लिए यह एक घंटे, जबकि आठ वर्ष से नीचे के बच्चों के लिए यह सिर्फ आठ मिनट हो। साथ ही साइबर स्पेस रेगुलेटर ने सेवा प्रदाता कंपनियों से कहा है कि वह समय सीमा तय करने का अधिकार उनके परिजनों को दे।

रूसी ड्रोन हमले से यूक्रेन के बंदरगाह पर भारी नुकसान

कीव। यूक्रेन-रूस के बीच जारी युद्ध में करीब डेढ़ साल बाद भी दोनों तरफ से हमले जारी हैं। ताजा हमले में रूस ने यूक्रेन के बंदरगाह पर हमला कर उसे भारी नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे आतंकी हमला बताया। यूक्रेन के साथ खाद्यान्न निर्यात समझौता रद्द करने के बाद रूस उसके निर्यात ढांचे को बर्बाद करने में लगा है।

रोमानिया सीमा के नजदीक यूक्रेन की डानुबे नदी के तट पर बने बंदरगाह पर रूस ने ड्रोन हमला कर उसे भारी नुकसान पहुंचाया। इस हमले में इजमेल बंदरगाह का भवन नष्ट हो गया और वहां से जहाजों में खाद्यान्न का लदान रुक गया है। हमले में बंदरगाह भवन के आसपास के भवनों को भी नुकसान हुआ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूसी आतंकियों ने एक बार फिर से बंदरगाह, खाद्यान्न और वैश्विक खाद्य सुरक्षा को निशाना बनाया है। यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री ओलेक्जेंडर कुब्राकोव ने कहा है

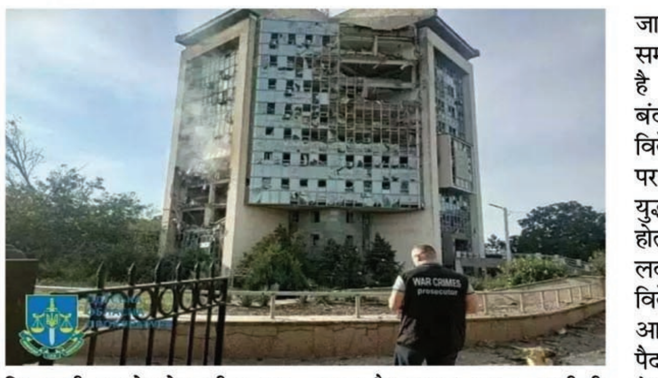

कि रूसी हमले से करीब 40 हजार टन खाद्यान्न का नुकसान हुआ है। यह खाद्यान्न अफ्रीकी देशों, चीन और इजरायल भेजा जाना था। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने कहा है कि निशाना बनाया गया बंदरगाह और खाद्यान्न गोदाम विदेशी लड़ाकों के अड्डे थे। वहां पर हथियार रखे जाते थे और युद्धपोतों की मरम्मत का काम होता था। बंदरगाह से खाद्यान्न का लदान बंद होने से नजदीक खड़े विदेशी मालवाहक जहाजों के आवागमन को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। इस अनिश्चितता के चलते विश्व बाजार में गेहूं के मूल्यों में पांच प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी हो गई है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तुर्किये के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन से टेलीफोन वार्ता में साफ कर दिया है कि काला सागर से यूक्रेनी जहाजों को गुजरने की अनुमति तब दी जाएगी जब रूस को भी खाद्यान्न और उर्वरक के निर्यात की समान रूप से सुविधा मिले। विदित हो कि यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका, यूरोप और कई अन्य देशों ने रूस पर जहाजों के आवागमन को प्रतिबंधित कर रखा है।

सोना तस्करी मामले में चार चीनी नागरिकों के खिलाफ 'लूकआउट' नोटिस जारी

काठमांडू। हांगकांग के रास्ते नेपाल होते हुए भारत भेजे जाने वाले एक क्विंटल सोने की तस्करी के मामले में परत दर परत चीनी नागरिकों की संलग्नता सामने आ रही है। इस मामले की जांच कर रहे राजश्व अनुसंधान विभाग (डीआरआई) ने चार अन्य चीनी नागरिकों के खिलाफ लूकआउट नोटिस जारी किया है।

जांच में संलग्न एक अधिकारी ने बताया कि अब तक पकड़े गए तीन चीनी नागरिकों के बयान, उनके पास से मिले अन्य सबूत तथा मोबाइल के कॉल डिटेल्स से अब तक चार अन्य चीनी नागरिकों के इस तस्करी में संलग्न होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। हालांकि अब तक उनकी पहचान को सार्वजनिक नहीं किया गया है लेकिन देशभर के हवाईअड्डों और सीमा नाका पर उनका विवरण भेज दिया गया है।

इन चार संदिग्ध चीनी नागरिकों की गिरफ्तारी के लिए काठमांडू सहित पोखरा में भी कई होटलों और गेस्ट हाउस में छापेमारी की जा रही है। जांच एजेंसी का दावा है कि ये चारों संदिग्ध चीनी नागरिक अब भी नेपाल में ही हैं। पकड़े गए आरोपित के बयान के बाद डीआरआई के तरफ से काठमांडू के धुम्बाराही, मण्डिकाटार, लाजिम्पाट और

धापासी के पांच घरों पर छापा मारा गया है। इसके अलावा टोखा और सोह्रखुट्टे में रहे उनके गोदाम में भी छापा मारा है। इन सब स्थानों से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। एक जांच अधिकारी के मुताबिक अब तक 22 मोबाइल फोन जब्त किया गया है, जिसको जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। सौ किलो सोने की तस्करी मामले में डीआरआई ने दावा छिरिंग नामक जिस चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है उसके पास चीन के अलावा बेल्जिम का पासपोर्ट और नेपाल का नागरिकता प्रमाण पत्र भी मिला है। इसी तरह चीनी मूल के भारतीय नागरिक थुप्तेन छिरिंग और चीनी नागरिक झियांग लिन को गिरफ्तार कर पूछताछ जारी है। इसके अलावा अब तक 15 नेपाली नागरिकों को भी गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी गई है।

भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत शुरू कराना चाहता है अमेरिका, विदेश मंत्रालय ने दिया बड़ा बयान

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत शुरू कराने का समर्थक है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जैसा कि हमने पहले भी कहा है कि हम भारत और पाकिस्तान के बीच चिंता वाले मुद्दों पर सीधी बातचीत का समर्थन करेंगे। खास बात ये है कि अमेरिका का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की पांच अगस्त को वर्षगांठ है।

बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में अपने एक बयान में भारत के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की थी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के इसी बयान को लेकर अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता से सवाल किया गया था। सोमवार को इस्लामाबाद में मिनरल्स सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा था कि देश को फिर से बनाने के लिए वह पड़ोसी देशों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं।

पहले भी बातचीत की पेशकश कर चुका है अमेरिका

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत-

पाकिस्तान के बीच बातचीत का समर्थन किया हो। इसी साल मार्च में भी अमेरिका के विदेश विभाग के तत्कालीन प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि अमेरिका दोनों देशों में बातचीत कराने के लिए तैयार है लेकिन पहले इसके लिए दोनों देश तैयार हों।

नेड प्राइस ने कहा था कि अमेरिका दोनों देशों के सहयोगी के तौर पर बातचीत के लिए मधयस्थता करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि अमेरिका कभी एक दूसरे के सबसे बड़े विरोधी रहे सऊदी अरब और इस्राइल के बीच भी बातचीत के लिए मध्यस्थता की भूमिका निभा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते हफ्ते इस्राइल के खूफिया विभाग के प्रमुख ने अमेरिका का दौरा किया था। इस दौरान अमेरिका के एनएसए जैक सुलिवन और मोसाद चीफ डेविन बार्निया के बीच लंबी बातचीत हुई थी। जैक सुलिवन ने हाल ही में सऊदी अरब का भी दौरा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात की चर्चा है कि अमेरिका, इस्राइल और सऊदी अरब के बीच बातचीत करा रहा है और दोनों देशों के बीच जल्द ही कूटनीतिक रिश्ते कायम हो सकते हैं।

नूंह हिंसा को लेकर अमेरिका ने जारी किया बयान, कहा- हिंसा से बचें सभी पक्ष, शांति बनाए रखें

वाशिंगटन। नूंह में शोभायात्रा पर हुए हमले के बाद भड़की हिंसा की आग गुरुवार चौथे दिन पूरे दक्षिण हरियाणा में फैल गई। गुरुग्राम और आसपास के इलाकों में सरकार ने शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं शनिवार तक के लिए निलंबित कर दी हैं। इस बीच, अमेरिका के विदेश विभाग ने शांति का आह्वान और पार्टियों से हिंसा से दूर रहने का आग्रह किया।

अमेरिकी प्रवक्ता मैथ्यू मिलर

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

एसआईटी का गठन

सांप्रदायिक हिंसा की जांच के लिए विशेष जांच दल

(एसआईटी) का गठन कर दिया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने हिंसा में हुए नुकसान की वसूली उपद्रवियों से ही करने का एलान किया। सरकार ने शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए, नूंह, फरीदाबाद और पलवल जिलों के अधिकार क्षेत्र में और गुरुग्राम जिले के सोहना, पटौदी और मानेसर उप-मंडलों के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 5 अगस्त तक निलंबित कर दी हैं। हरियाणा के गृह सचिव द्वारा पारित आदेश में कहा गया है कि इन जिलों में हालात गंभीर और तनावपूर्ण बने हुए हैं।

मोनू मानेसर की भूमिका की भी होगी जांच

दंगे में मोनू मानेसर की भूमिका को लेकर उठने वाले सवाल पर पुलिस महानिदेशक पीके अग्रवाल ने मामले की जांच के लिए अलग से एसआईटी गठित करने की बात कही है। नूंह में निकलने वाली शोभायात्रा से पहले सोशल मीडिया पर मोनू मानेसर का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उसने लोगों से शोभायात्रा में पहुंचने की बात कही थी। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मोनू मानेसर का वीडियो वायरल होने और फिर इंटरनेट पर उसे डिलीट करने के मामले के बाद हालात बिगड़े, यह जांच का विषय है। इसकी जांच एसआईटी करेगी और जिन लोगों की मिलीभगत होगी, उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि मोनू मानेसर पर पटौदी थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज है, जिसकी जांच अभी लंबित है। भरतपुर, राजस्थान के रहने वाले जुनैद की हत्या में उसका नाम आया था, जिसके बाद वह सुर्खियों में आया था। मेवात की जनता पहले से ही उससे रंजिश रख रही थी।

किशोरी को शराब पीने के लिए बुलाया, फिर 14 साल तक बंधक बनाकर किया दुष्कर्म; पुलिस ने अब कराया आजाद

मास्को। रूस से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने मानवता की सारी हदें पार कर दी हैं। दरअसल, यहां एक आदमी ने करीब 14 साल तक एक बच्ची को अपनी कैद में रखा और उसको अपनी हैवानियत का शिकार बनाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी रूस के चेल्याबिंस्क में एक लड़की को 14 साल तक सेक्स स्लेव के रूप में रखने के आरोप में 51 वर्षीय व्लादिमीर चेस्किडोव को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि स्मोलेनो गांव स्थित आरोपी के घर से महिला हाल ही में भाग निकली और पुलिस के पास पहुंची। बताया जा रहा है कि आरोपी की मां ने महिला की भागने में मदद की। महिला, जो अब 33 वर्ष की है, उसने बताया कि एक बस अड्डे पर चेस्किडोव से मिली थी। इस दौरान दोनों में बातचीत हुई और घर पर पार्टी करने का प्लान बना। साल 2009 में एक दिन आरोपी ने उसे शराब पीने के लिए अपने घर

बुलाया। जब वह घर पहुंची तो आरोपी ने कथित तौर पर चाकू निकाल लिया और उसे अपना बंधक बना लिया। । पीड़िता ने कहा कि इस दौरान एक हजार से अधिक बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, छोटी-छोटी बातों पर उसे बार-बार प्रताड़ित किया जाता था। उसे सिर्फ चाकू की नोक पर घर के काम करने के लिए बेडरूम से बाहर जाने की इजाजत थी। आरोपी छोटी-छोटी बात पर बेरहमी से पीटता था। जांच अधिकारियों ने बताया कि आरोपी मानसिक बीमारी से पीड़ित है और उसकी हालत बिगड़ने के बाद उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जिससे महिला को घर से भागने का मौका मिल गया। महिला ने बताया कि चेस्किडोव साल 2011 में ओक्साना नाम की एक महिला को घर पर लाया था, जिससे उसका झगड़े हो गया और उसने गुस्से में उसपर कई बार चाकू से हमला कर दिया। इतना ही नहीं ओक्साना की कील ठोककर हत्या कर दी। महिला ने कहा कि बाद में शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे मजबूर किया। पीड़िता की शिकायत पर जब पुलिस ने तलाशी ली तो सेक्स टॉयज और अश्लील वीडियो मिले। इसके अलावा, घर के तहखाने में मानव अवशेष पाए गए। चेस्किडोव के खिलाफ हत्या, दुष्कर्म और अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, आरोपी की मां वेलेंटीना को भी महिला के अपहरण में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं, पूछताछ के दौरान चेस्किडोव ने सभी आरोपों को झूठा बताया है।

खालिस्तान समर्थकों ने फिर लगाए भारतीय राजनयिक के वांटेड के पोस्टर, भारत ने जताया कड़ा विरोध

टोरंटो। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में एक बार फिर सेंध लगा दी। इस बार वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के प्रवेश द्वार के पास भारत विरोधी पोस्टर चिपकाया गया है। भारत ने कनाडा के अधिकारियों के सामने शिकायत दर्ज कराई है। लगाया गया यह पोस्टर पिछले सप्ताह सरे व वैंकूवर में जगह-जगह लगाए गए पोस्टरों के जैसा ही था। इन पोस्टरों में ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त और वैंकूवर व टोरंटो में महावाणिज्यदूतों की तस्वीर के साथ वांटेड लिखा दिया गया था। जब वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों ने इस पोस्टर को देखा तब इसे वहां से हटाया गया। एक भारतीय अधिकारी ने बताया कि इस घटना को स्थानीय प्राधिकारियों के सामने उठाया गया है। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों ने 15 अगस्त को भारतीय मिशनों के घेराव की चेतावनी दे रखी है।

पिछले महीने भी लगाए गए थे ऐसे पोस्टर

निज्जर की हत्या के बाद पिछले महीने 16 जुलाई को ग्रेटर टोरंटो एरिया में विभिन्न स्थानों पर इसी तरह के कई पोस्टर दिखाई दिए थे। कनाडा के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका में भी खालिस्तान समर्थकों ने इस तरह के पोस्टर लगाए थे। खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा समेत कुछ देशों में पिछले महीने भारतीय दूतावासों पर प्रदर्शन की योजना बनाई थी। हालांकि कनाडा में भारतीय दूतावास के सामने देशभक्तों की भीड़ के जुटने से अलगाववादी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए थे। ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में भी सुरक्षा बलों ने उन्हें कोई कदम नहीं उठाने दिया। कनाडा के अलग-अलग शहरों में वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों के पोस्टर लगाए जाने से उत्पन्न सुरक्षा खतरे को देखते हुए खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस मामले को कनाडा के विदेश मंत्री के सामने उठाया था। इसके बाद ही कनाडा ने भारतीय दूतावासों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की थी।